डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 18 | अंक 230 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 04 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

नौतपा के बाद भी राहत नहीं, गरमी बढ़ी

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। नौतपा रविवार को समाप्त गया है, लेकिन आमजन को गरमी से राहत नहीं मिली है। वहीं हवाओं की रफ्तार धीमी है। जिले में अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास बना हुआ है। सोमवार को तेज धूप के साथ जिले में मौसम सामान्य बना रहा। मौसम विभाग ने 6 जून तक ऐसा ही मौसम बना रहने का अनुमान जताया है। उधर प्रदेश की कुछ क्षेत्रों के मौसम में बदलाव आया है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि 30 मई को केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। रविवार तक केरल, तमिलनाडु समेत कई राज्यों को मानसून ने कवर कर लिया। अब यह आगे बढ़ रहा है। इससे प्रदेश में समय पर पहुंचने का अनुमान है। वर्तमान में साइक्लोनिक सर्कुलेशन, ट्रफ लाइन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से आंधी, बारिश का दौर बन रहा है। यह अगले कुछ दिन तक जारी रहेगा। इस दौरान आंधी-बारिश के साथ लू का असर भी बना रहेगा।

आज 10 बजे तक पता चल जाएगा कौन होगा सांसद

सुबह 8 बजे शुरू होगी मतगणना, पहले डाक मतपत्र गिनाएंगे

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। आज मंगलवार सुबह 10 बजे तक यह पता चल जाएगा कि अपना सांसद कौन बनने वाला है। अगले पांच साल संसदीय क्षेत्र का प्रथम नागरिक कौन होगा। मतगणना को लेकर प्रशासनिक तैयारी एक दिन पहले ही पूरी कर ली गई है। वैसे तो निर्दलीय उम्मीद्वार भी मैदान में है। लेकिन, मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। भाजपा प्रत्याशी सांसद सुधीर गुप्ता और कांग्रेस प्रत्याशी दिलीपसिंह गुर्जर में से जनता ने किसे समर्थन दिया है, इसका जवाब ईवीएम देगी। वैसे एग्जिट पोल और सट्टा बाजार सांसद सुधीर गुप्ता का पलड़ा भारी बता रहे हैं। वहीं कांग्रेस नेता अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। इधर सुधीर गुप्ता के समर्थक जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है। सुबह 8 बजे मतगणना शुरू होगी, जो अंतिम नतीजे आने तक जारी रहेगी। प्रदेश की बात करें तो 11 बजे तक रुझान सामने आ जाएंगे। सबसे पहले नतीजे खरगोन के आ सकते हैं। यहां सबसे कम 5 उम्मीदवार मैदान में हैं। जबकि, भोपाल सीट पर सबसे अधिक 22 उम्मीदवार होने के चलते नतीजे देर से आएंगे। मतगणना के बीच सभी सीटों पर मतों की गणना थ्री लेयर सिक्योरिटी के बीच होगी।

बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सुधीर गुप्ता को 8 लाख 47 हजार 786 वोट मिले थे। दूसरे स्थान पर रही कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन को 4 लाख 71 हजार 52 मत मिले थे। इससे पहले वर्ष 2014 में भी मंदसौर लोकसभा सीट से भाजपा के सुधीर गुप्ता ही जीते थे। उन्हें 6 लाख 98 हजार 335 वोट प्राप्त हुए थे। जबकि, कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन 3 लाख 94 हजार 686 वोट के साथ दूसरे स्थान पर रही थी।

मंदसौर लोकसभा क्षेत्र का इतिहास...

मंदसौर लोकसभा सीट पर अब तक कुल 17 चुनाव हुए हैं। भाजपा व जनसंघ की तरफ से डा. लक्ष्मीनारायण पांडेय ने सबसे अधिक 11 बार चुनाव लड़ा हैं। इनमें से 8 बार जीते हैं। वर्ष 2009 में आखिरी चुनाव वे कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन से 30 हजार मतों से हार गए थे। मंदसौर संसदीय क्षेत्र में 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें मंदसौर जिले की मंदसौर, मल्हारगढ, सुवासरा, गरोठ, नीमच जिले की नीमच, मनासा व जावद विधानसभा और रतलाम जिले की जावरा विधानसभा शामिल है। इस लोकसभा सीट में मल्हारगढ़, गरोठ, सुवासरा, जावद, मनासा, नीमच, जावरा विधानसभा में भाजपा के विधायक हैं। जबकि मंदसौर में कांग्रेस विधायक हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला रहता है। वर्ष 1984 के बाद केवल 2009 में ही कांग्रेस को जीत मिली थी।

प्रशासनिक तैयारी पूर्ण

सुबह 7 बजे से मिलेगा मतगणना स्थल पर प्रवेश...

मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए चुनाव आयोग ने सुबह 7 बजे का समय तय किया है। 8 बजे से मतगणना शुरू करने का समय है। थ्री लेयर सिक्योरिटी जांच के बाद ही मतगणना एजेंट, काउंटिंग के लिए तैनात कर्मचारी और अन्य अधिकारी काउंटिंग स्थल में प्रवेश कर सकेंगे। बगैर पास वाले लोगों को मतणना स्थल में प्रवेश की अनुमति नहीं रहेगी। उम्मीदवार को डाक मतपत्रों की गणना टेबल सहित ईवीएम मतों की गणना में उपयोग में लाई जा रही टेबल की संख्या के बराबर काउंटिंग एजेंटस नियुक्त करने की अनुमति है। उम्मीदवार अपनी या काउंटिंग एजेंट की अनुपस्थिति में एक अन्य काउंटिंग एजेंट रिटर्निंग ऑफिसर के मेज पर भी नियुक्त कर सकता है।

घनघोर नहीं घुनखोर कांग्रेसी हैं दिग्विजय सिंह...

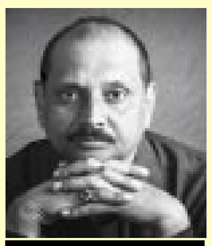
प्रकाश भटनागर

दिग्विजय सिंह को किसी समय मैं घनघोर चतुर राजनीतिज्ञों में गिनता था। लेकिन एक अरसा हुआ, जब मेरी यह राय बदलती गई और आज कांग्रेस के इस दिग्गज नेता को भी मैं कांग्रेस के लिए 'घुनखोर' सहित 'धुनघोर' भी मानने लगा हूं। सिंह ने आम चुनाव के नतीजे आने से पहले और नतीजों का पूवार्नुमान आने के बाद एक बयान दिया है। उनका कहना है कि यदि आम जनता का वोट डला है तो कांग्रेस को कम से कम 295 सीट मिलेगी। वह यह भी कह रहे हैं कि अगर इससे उलट भाजपा को 300 या इससे अधिक सीट मिलीं, तो फिर यह ईवीएम का वोट होगा।

घूम-फिरकर दिग्विजय ने पार्टी लाइन पर चलते हुए एक बार फिर कांग्रेस की संभावित असफलता का दोष अभी से ईवीएम पर मढ़ने की कोशिश शुरू कर दी है। यहीं से घुन और धुन की बात आती है। सिंह का यह बयान खुद उन सहित समूची कांग्रेस और उसके साथी दलों की सोच पर लगी घुन का प्रतिनिधित्व करता है। लंबा समय बीत गया, जब देश के निर्वाचन आयोग ने सभी दलों को खुली चुनौती दी थी कि वे ईवीएम में गड़बड़ी की बात साबित कर दें। बहुत वक्त नहीं बीता है, जब देश की सबसे बड़ी अदालत ने ईवीएम की निष्पक्षता पर मुहर लगाई है। न तो कोई भी दल निर्वाचन आयोग की चुनौती के आगे टिक सका और न ही तमाम दलीलों के बावजूद सुप्रीम कोर्ट का ईवीएम की सत्यता से विश्वास डिग सका। फिर भी दिग्विजय सिंह या जयराम रमेश जैसे कांग्रेसी जो बातें कह रहे हैं, वह यही बताती है कि कांग्रेस में तेजी से विलुप्त हो रही समझदार नेताओं की प्रजाति पर भी अब पार्टी के अघोषित कर्ताधर्ता राहुल गांधी की हां में हां मिलाने की धुन सवार हो गई है। वह भी इस हद तक कि जनादेश के सम्मान को धता बताने में भी रियायत नहीं की जाएगी।

देश के सबसे बूढ़े राजनीतिक दल की यह दशा शोचनीय है। वरना ऐसा नहीं होता कि कांग्रेस यह कह देती कि उसके प्रवक्ता नतीजे के पूर्व वाले अनुमानों से जुड़ी मीडिया की किसी बहस में शामिल नहीं होंगे। भला हो, उस समूह का, जो किसी तरह पार्टी को मुंह छिपाने वाली इस शर्मनाक 'हरकत' से दूर करने में सफल हो गया। वरना तो यह संदेश और ताकत के साथ प्रसारित हो जाता कि पहले ही अपनी दिशा से भटक चुकी कांग्रेस अपनी ऐसी दशा पर कोई बात रखने की स्थिति में भी नहीं रह गई है। अपनी कमजोरी का अवलोकन करने की ईमानदारी से तो आज की कांग्रेस कोसों दूर हो ही चुकी है। इससे एक कदम आगे अब तो वह सियासी युद्ध का नतीजा आने से पहले ही रणछोड़दास बनने की कगार पर आ गई है। फिर जब दिग्विजय जैसे वरिष्ठ नेता भी अपनी सोच के स्तर से कई पायदान नीचे उतरकर पार्टी आलाकमान (आज के कांग्रेस के सन्दर्भ में उसके अपने 'हुक्मरान' लिखना अधिक उचित होगा) के सुर में सुर मिलाने लगें तो समझ लीजिए कि चार जून के निर्णायक स्वरूप लेने के बाद वैचारिक दरिद्रता के ऐसे अनेक नए तथा दुखद प्रहसन सामने आने वाले हैं।

पराजय से बौखलाहट स्वाभाविक है। फिर यह भाव उस समय विस्तार ले लेता है, जब यह परिदृश्य स्पष्ट है कि देश के अधिकांश हिस्सों में अपना सूपड़ा साफ होते देखने की विवशता के बीच केंद्रीय सत्ता में भी ऐसी ही शर्मनाक स्थिति की हैट्रिक बनने के आसार सामने हों। खुद प्रियंका वाड्रा ने कहा है कि यदि भाजपा चार सौ पार जाने की बात कह रही है तो फिर साफ है कि इस दल ने ऐसा करने के लिए चुनाव प्रक्रिया में पहले ही गडबडी कर दी है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में से एक होने के लिहाज से दिग्विजय भले ही पार्टी के 'दाइजी' वाले तबके में शामिल हों, लेकिन अब 'दीदी जी' की बात से अलग भला कैसे जाया जा सकता है? ऐसा करने के लिए तो साहस चाहिए, कांग्रेस में आज उसका नितांत अभाव दिख रहा है। दिग्विजय भी इसके अपवाद नहीं रहे हैं। लेकिन, इसके लिए समूची लोकतांत्रिक व्यवस्था सहित मतदाता के जनादेश को उथले आरोपों के घेरे में लाने को भला किस तरह स्वस्थ प्रवृत्ति का परिचायक कहा जा सकता है? दिग्विजय सिंह जैसे नेता शायद यह भूल जा रहे हैं कि चरण चुंबन की अपनी निरंतर बढ़ती विवशता के चलते वे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की शुचिता के पांव में बेड़ी डालने के प्रयास जैसा दुस्साहस कर रहे हैं।

शाम ढले एक घर से चीखने-चिल्लाने और मारने-पीटने की आवाजें आ रही थीं। पडोसी वहां पहुंचे। उन्होंने देखा कि घर का मालिक अपने बेटे पर बुरी तरह बरस रहा है। उसे निकम्मा बता रहा है। पडोसियों ने वजह पूछी तो आदमी बोला, 'दरअसल कल सुबह मेरे बेटे की परीक्षा का नतीजा आने वाला है और आज रात ही मुझे जरूरी काम से शहर के बाहर जाना पड रहा है। इसलिए कल का काम आज ही पूरा कर ले रहा हूं।' कांग्रेस की भी हालत ऐसी ही दिख रही है। वह अभी से निर्जीव ईवीएम की आड में देश के जीवंत जनादेश पर अत्याचार करने पर आमादा हो गई दिखती है। कृपया रहम कीजिए। अपनी सोच की घुन और धुन को अपने तक ही सीमित रखिए। उसका प्रदूषण बाहर न जाने दीजिए। आखिर यह देश आपका भी तो है। अगर जनादेश आपको विपक्ष में ही देखना चाहता है तो कम से कम दमदार और रचनात्मक विपक्ष का दायित्व ही जिम्मेदारी से निभाइए। पहले अपने गिरेहबान में झांकिए। आप सुधरेंगे तो हाथ के हालात सुधरेंगे। आप देश से कहीं नहीं जाएंगे। आज अगर आपका नहीं है तो कल आपका हो सकता है। बस, वापस एक जिम्मेदार राजनीतिक दल बनिए बनिस्बत वामपंथियों का फर्जी क्रांतिकारी झुंड बनने के।

मेडिकल कॉलेज: 150 नहीं 100-100 सीटों के साथ हो सकते है शुरू, मान्यता मिलने की संभावना बनी

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के अलावा नीमच और सिवनी में इसी सत्र से मेडिकल कालेज शुरू करने के लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने दौड़भाग तेज कर दी है। पहले तीनों जगह 150-150 सीटों में प्रवेश के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को आवेदन किया था। लेकिन, संसाधन पूरे नहीं होने के कारण अब सौ-सौ एमबीबीएस सीटों की अनुमति के लिए विभाग प्रयासरत है।

इस मामले में आयुक्त चिकित्सा शिक्षा तरुण पिथौड़े और संचालक चिकित्सा शिक्षा एके श्रीवास्तव ने दिल्ली में एनएमसी के अधिकारियों के साथ बैठक की। उधर, फैकल्टी के बचे पदों की भर्ती शीघ्र शुरू होगी। आचार संहिता खत्म होने के बाद पुस्तकों की खरीदी होगी। बता दें कि अभी प्रदेश में 14 सरकारी कालेज संचालित हो रहे हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में राजगढ़, सिंगरौली, श्योपुर, सिवनी, नीमच और मंदसौर में कालेज शुरू करने की स्वीकृति दी थी। इनमें राजगढ़ छोड़ सभी कालेज 2024-25 से शुरू करने की तैयारी थी। भवन निर्माण पूरा नहीं होने के कारण सिंगरौली और श्योपुर को अगले वर्ष शुरू करने के लिए रखा गया। बाकी तीन कालेजों के लिए तैयारी की जा रही है। एनएमसी का दल इसी माह नीमच, मंदसौर और सिवनी मेडिकल कालेज के निरीक्षण के लिए आ सकता है। इन कालेजों के भवन का काम लगभग पूरा हो गया है। किन्तु, आचार संहिता प्रभावी होने के कारण लाइब्रेरी के लिए पुस्तकों की खरीदी नहीं हो पाई है। परेशानी यह है कि तीनों कालेजों में अभी मापदंड से 50 प्रतिशत फैकल्टी ही हैं। एनएमसी इस पर आपत्ति कर सकती है, इसी कारण सीटों की संख्या 150 की जगह 100 की जा रही है। फैकल्टी के बचे पदों को भरने के लिए फिर से प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है।

सांसद कोई भी बने, मंदसौर का चलेगा सिक्का

डा. पाण्डेय से लेकर मीनाक्षी नटराजन और सांसद सुधीर गुप्ता तक रहे वजनदार

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। आज मतगणना के साथ ही यह पता चल जाएगा कि मंदसौर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। लेकिन, इतिहास देखा जाए तो पता चलता है कि मंदसौर संसदीय क्षेत्र से सांसद कोई भी हो। उसका वजन अच्छा खासा होता है। मतलब केंद्र में उसकी पहुंच बड़े नेताओं तक अच्छी होती है। देश की आजादी के बाद से अब तक के राजनीति सफर में संसदीय क्षेत्र का दबदबा हमेशा रहा है। चाहे सरकार किसी भी दल की रही हो, लेकिन मंदसौर को महत्व मिला है। यहां तक की मंदसौर के नेताओं ने क्षेत्र से बाहर जाकर भी चुनाव लड़ा और लोकसभा में पहुंचे। कांग्रेस व भाजपा दोनों दलों से मंदसौर से निर्वाचित हुए सांसद ने अपने-अपने दलों व संगठन के लिए कई अहम पदों पर रहते हुए काम किया। वहीं राज्यसभा में भी मंदसौर को मौका मिला। पहली लोकसभा के गठन से लेकर अब तक 12 बार भाजपा व 5 बार कांग्रेस ने इस सीट से जीत हासिल की। आजादी के बाद पहली लोकसभा के निर्वाचन के पहले जब लोकसभा मनोनीत की गई थी तब भी संसदीय

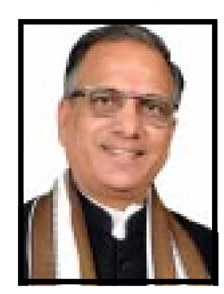

क्षेत्र को उसमें जगह मिली थी। यहां तक की संविधान के लिए बनी कमेटी हो या भाजपा प्रदेशाध्यक्ष उनमें भी मंदसौर के सांसदों और यहां की राजनीति को महत्व हर बार मिला है।

दोनों दलों ने ऐसे दिया मंदसौर की राजनीति को महत्व...

आजादी के बाद से अब तक की राजनीतिक यात्रा देखें तो मंदसौर से दोनों दलों के निर्वाचित सांसदों को अपने- अपने दलों में खासी तवज्जो मिली है। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद लोकसभा का गठन हुआ जो निर्वाचित नहीं बल्कि मनोनीत थी। उसमें भी संसदीय क्षेत्र को मौका मिला और नीमच के सीताराम जाजू इसके सदस्य मनोनीत हुए थे। इसके बाद संविधान निर्माण के लिए बनी कमेटी में भी जाजू सदस्य बने। कांग्रेस के उपसेचतक भी जाजू रहे। वर्ष 1951 में लोकसभा के चुनाव हुए। देश की पहली लोकसभा का गठन हुआ। इसमें मंदसौर से डॉ. कैलाशनाथ काटजू सांसद निर्वाचित हुए और पहले गृहमंत्री बने। उसी समय नीमच के उमाशंकर त्रिवेदी जनसंघ के टिकट पर चित्तौडगढ से सांसद बने। भानपुरा के विमलकुमार चौरडिया जनसंघ के समर्थन से राज्यसभा में गए। इसके बाद वर्ष 1971 में जावरा के डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडे सांसद का चुनाव जीते। बाद में वे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी रहे। मनासा के बालकवि बैरागी लोकसभा व राज्यसभा दोनों के सदस्य रहे। मंदसौर के भंवरलाल नाहटा सांसद बने। उन्होंने वर्ष 1980 में मप्र के सांसदो का फोरम बनाया था। जिसने केंद्र व प्रदेश के बीच सेतु का काम किया। फोरम ने देश व प्रदेश की राजनीति में खूब सुर्खिया बटोरी। वर्ष 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में मंदसौर सीट से रतलाम की मीनाक्षी नटराजन कांग्रेस के टिकिट पर सांसद बनीं, जो कांग्रेस वर्किंग कमेटी की सदस्य बनीं। वर्ष 2014 में मंदसौर के सुधीर गुप्ता सांसद निर्वाचित हुए, जो बाद में भाजपा के राष्ट्रीय सहकोषाध्यक्ष बने। वे लगातार तीसरी बार सांसद बनने की आस लिए है।

संसदीय क्षेत्र के बाहर चुनाव लड़कर पहुंचे लोकसभा...

जनसंघ के संस्थापक सदस्य नीमच के उमाशंकर त्रिवेदी चित्तौडगढ से सांसद बने थे। कुकड़ेश्वर के सुंदरलाल पटवा ने संसदीय क्षेत्र के बाहर छिंदवाड़ा जाकर उपचुनाव में कमलनाथ के सामने हुंकार भरी थी और जीते भी थे। बाद में पटवा केंद्र में मंत्री बने। वहीं जावद के सत्यनारायण जटिया उज्जैन से लोकसभा लडकर सांसद बने। जो बाद में राज्यसभा सदस्य भी रहे। केंद्र में मंत्री भी रहे। वर्तमान में जटिया भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य हैं। हालांकि, अब उनका निवास स्थान उज्जैन ही हो गया है।

लोकसभा चुनाव: 117 पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

दस बदमाशों ने किया आदेश का उल्लंघन, पुलिस ने पकड़ा

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस ने जिले में आदतन एवं सक्रिय अपराधियो को चिन्हित किया था। उनके आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर राजपत्रित पुलिस अधिकारी के माध्यम से 117 सक्रिय बदमाशो के जिला बदर प्रकरण कलेक्टर न्यायालय मे प्रस्तुत किये गए। जिनकी सुनवाई उपरांत जिला बदर एवं थाना हाजिरी हेतु आदेश पारित किये गये है। इसमें दस बदमाशो ने आदेश का पालन नहीं किया। जिन्हें पुलिस ने मंदसौर जिले की सीमा में घुमते हुए पकड़ा है। ऐसे सभी लोगो के खिलाफ पुलिस ने एक-एक प्रकरण और दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि वर्तमान मे जिले में कुल 31 सक्रिय बदमाश जिलाबदर होकर जिले की सीमा से बाहर है तथा 67 बदमाशो को प्रत्येक माह की 01 व 16 तारीख को अपने निवास स्थान के थानों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना है। साथ ही किसी भी अपराध में संलग्न नहीं होने के लिए आश्वस्त करना है। कलेक्टर के आदेश के पालन मे बदमाशों की 01 व 16 तारीख को नियमित रूप से चेकिंग की जा रहीं है। एक जून को दस बदमाश थाने पर उपस्थित नहीं हुए। आदेश का उल्लंघन किए जाने पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 एवं 15 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किये गए है। सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि जिला बदर की कार्रवाई का पालन नहीं करने पर प्रदीप उर्फ बांगडु पिता राजु राठौर निवासी इन्द्रा कालोनी मंदसौर, रायसिह पिता जुझार सिंह निवासी सिंदपन मंदसौर, याकुब पिता बुन्दु खां मेवाती निवासी खिलचीपुरा, समद पिता आरीफ मेवाती निवासी जयपुरा खिलचीपुरा, सद्दाम पिता मुख्तियार मेवाती निवासी जयपुरा खिलचीपुरा, अशोक पिता कैलाश बरगुण्डा निवासी खजुरी बड़ायला, शांतिलाल पिता कारुलाल गुर्जर उम्र 32 साल निवासी अफजलपुर, तुफान पिता शिवलाल बंजारा उम्र 36 साल निवासी हरिपुरा थाना शामगढ, महेन्द्र सिहं पिता कमल सिहं देवडा नि बेहपुर, कान्हा उर्फ कन्हैयालाल पिता मुकेश गुर्जर नि. पिपलिया मंडी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। इन 10 बदमाशों द्वारा जिला बदर प्रकरण में थाना हाजिरी हेतु उपस्थित नही होने व कलेक्टर जिला मंदसौर के आदेश का उल्लंघन किये जाने पर आपराधिक रिकॉर्ड एवं दर्ज आपराधिक प्रकरण के आधार पर जिलाबदर किये जाने हेतु पृथक से कार्यवाही प्रचलन में है।

अल्टो कार सवार दो युवकों को पिस्टल के साथ पकड़ा

शामगढ़, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। बिना नंबर की कार में सवार दो लोगों को पुलिस ने पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। उनि अविनाश कुमार सोनी को देहात भ्रमण के दौरान थाना शामगढ के ग्राम खजुरीपंथ में मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की एक हल्के काले रंग की अल्टो के 10 कार जिस पर पीछे कोई नम्बर प्लेट नही है। जिसमे दो व्यक्ति अवैध हथियार (पिस्टल) लिये बैठे है जो खजुरीपंथ होते हुये बोलिया तरफ जाने वाले है। सूचना पर उनि सोनी द्वारा फोर्स को साथ लेकर खजुरीपंथ बस स्टैण्ड पर नाकाबंदी की। कुछ देर बाद एक काले रंग की बिना नम्बर की कार खुजरीपंथ तरफ से आती दिखी, जो पुलिस को देखकर कार चालक द्वारा कार को मोड कर भागने का प्रयास किया, जिसे पुलिस द्वारा घेराबन्दी कर पकडा।

कार में सवार कालु सिंह पिता पुरसिंह सौधिया राजपूत उम्र 35 साल निवासी टाप का खेडा थाना मिश्रोली जिला झालावाड राजस्थान एवं मदन सिह पिता भेरु सिह सौधिया राजपूत उम्र 30 साल निवासी घुघवा थाना पगारिया जिला झालावाड राजस्थान बैठे मिले। जिनकी तालाशी लेने पर एक पिस्टल व राउण्ड मिला। दोनो आरोपी द्वारा अवैध रुप से फायर आर्म्स (पिस्टल) रखने के कारण धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

जज पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

रतलाम, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर न्यायालय में पदस्थ जज प्रेमदीप सांकला पर उनकी पत्नी ने रतलाम में दहेज प्रताड्ना का प्रकरण दर्ज कराया है। बीते दिवस रतलाम की औद्योगिक थाना पुलिस ने रतलाम निवासी जया सांकला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरा विवाह 24 जनवरी 2007 को प्रेमदीप सांकला से हुआ था। उस समय मेरे पति कृषि मंडी में लेखापाल थे। विवाह में मेरे माता पिता ने काफी दहेज दिया था। लेकिन उसके बाद से ही लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। बाद में उनका जेएमएफसी के पद पर चयन हो गया। लेकिन, मैं लगातार परेशान रही और दोनों बच्चो के बाद भी वे परेशान करते रहे। वर्ष 2019 में रतलाम पोस्टिंग के समय मैं अपने घर गई। वहां भी मेरे पति प्रेमदीप सांकला आये और बेटी से मिलने कि बात को लेकर घर में तोड़फोड़ की। मामले में रतलाम पुलिस ने आरोपी प्रेमदीप सांकला के विरुद्ध 498 ए, 294, 323, 427 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की है।

लापता नाबालिग रतलाम से दस्तयाब, दो भाई गिरफ्तार

नाहरगढ़, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में नाहरगढ़ पुलिस ने लोद गांव से लापता हुई किशोरी को बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने एक युवक और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

नाहरगढ़ थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 24 मई को थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर आरोपी अपने साथ भगा ले गया है। फरियादी ने एक युवक पर शंका जाहिर की थी। मामले में पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया था। नाबालिग को रामलाल उर्फ रामा व उसके भाई थावरिया भाभर को जिला रतलाम के कब्जे से बरामद किया। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया की वह अपनी बहन के साथ मोबाइल रिचार्ज करवाने गई थी। इसी दौरान रामा उर्फ रामलाल ने जान से मारने की धमकी देकर अपने भाई लखन के साथ मोटर साइकिल पर बैठाकर रामा के घर पर ले गया। जहां एक कमरे में बंद कर दिया। रामा ने उसके साथ 9 दिनों तक रेप किया। पीड़िता के बयान पर पुलिस ने अपहरण, पॉक्सो एक्ट के तहत दोनों भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

विचार-मंथन

इस बार किसकी सरकार... ?

सिब्बल ने हर राजनीतिक दल और उनके मतदान/मतगणना एजेंटों के लिए आगामी 4 जून को आम चुनाव की गिनती से पहले जारी की गई इस चैकलिस्ट के माध्यम से यह समझाया है कि उन्हें कब क्या देखना है। सिब्बल के अनुसार ''बहुत से लोग कह रहे हैं कि इन मशीनों के साथ संभवतः छेड़छाड़ की गई है। इसलिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके साथ कोई छेड़छाड़ न हो, इससे ज्यादा कुछ नहीं। हम यह नहीं कह रहे कि उनके साथ छेड़छाड़ की गई है। किसी भी मशीन से छेड़छाड़ की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि दुनिया में कोई ऐसी मशीन है जिसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। हमें इस पर भरोसा है; हम यह नहीं कह रहे हैं कि कोई भरोसा नहीं है।

2024 के लोकसभा चुनाव अपने अंतिम चरण तक पहुंच गए हैं। आने वाले दिनों में सभी को चुनावी एग्जिट पोल और 4 जून का बेसब्री से इंतजार रहेगा। सभी यह देखना चाहेंगे कि विवादों में घिरी 'ई.वी.एम.' किसकी सरकार बनाएगी? हर राजनीतिक दल बड़े-बड़े दावे कर रहा है कि उसका दल या उसके समर्थन वाला समूह सरकार बनाने जा रहा है। ऐसे में यह भी देखना जरूरी है कि केंद्रीय चुनाव आयोग जिसकी कार्यशैली पर कई सवाल उठे, वह इस चुनाव को कितनी पारदर्शिता से संपूर्ण करेगा? देश का आम चुनाव हमेशा से ही एक पर्व की तरह मनाया जाता है। इसमें हर राजनीतिक दल अपने-अपने वोटरों के पास अगले 5 साल के लिए उनके मत की अपेक्षा में उन्हें बड़े-बड़े वायदे देकर लुभाने की कोशिश करते हैं। परंतु देश की जनता भी यह जान चुकी है कि दल चाहे कोई भी हो, राजनीतिक वायदे सभी दल ऐसे करते हैं कि मानो जनता उनके लिए पूजनीय है और ये नेता उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। परंतु क्या वास्तव में ऐसा होता है कि चुनावी वादे पूरे किए जाते हैं? क्यों नेताओं को केवल चुनावों के समय ही जनता की याद आती है? खैर, यह तो रही नेताओं की बात। आज जिस मुद्दे पर पाठकों का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है वह है चुनावों में पारदर्शिता। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न बने। चुनावों का आयोजन करने वाली सर्वोच्च सांविधानिक संस्था केंद्रीय चुनाव आयोग इन चुनावों को कितनी पारदर्शिता से कराती है इसकी बात बीते कई महीनों से सभी कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौका दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए। बीते कुछ महीनों में चुनाव आयोग पर पहले ई.वी.एम. को लेकर और फिर वी.वी.पैट को लेकर काफी विवाद रहा। हर विपक्षी दल ने एक सुर में यह आवाज लगाई कि देश से ई.वी.एम. को हटा कर बैलेट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए। परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ई.वी.एम. को जारी रखा। इन विवादों के बाद चुनावों की मतगणना को लेकर फॉर्म 17सी पर एक नई बहस उठी जो देश की शीर्ष अदालत में जा पहुंची। दरअसल, फॉर्म 17सी वह फॉर्म होता है जिसमें चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत देशभर के प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकार्ड होता है। फॉर्म 17सी में मतदान केंद्र के कोड नंबर और नाम, मतदाताओं की संख्या। उन मतदाताओं की संख्या जिन्होंने मतदान न करने का निर्णय लिया। उन मतदाताओं की संख्या जिन्हें मतदान करने की अनुमति नहीं मिली। दर्ज किए गए वोटों की संख्या। खारिज किए गए वोटों की संख्या। वोटों के खारिज करने के कारण। स्वीकार किए गए वोटों की संख्या। डाक मतपत्रों का डाटा भी शामिल होता है। इस जानकारी को मतदान अधिकारियों द्वारा भरा जाता है और प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जांचा भी जाता है। मतगणना के दिन, गिनती से पहले, फॉर्म 17सी के दूसरे भाग में प्रत्येक बूथ से गिने गए कुल वोट व डाले गए कुल वोटों की समानता को जांचा जाता है। यह व्यवस्था किसी भी पार्टी द्वारा वोटों में हेरफेर से बचने के लिए बनाई गई है। यह डाटा मतगणना केंद्र के पर्यवेक्षक द्वारा दर्ज किया जाता है। प्रत्येक उम्मीदवार (या उनके प्रतिनिधि) को फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांचा जाता है। इसके बाद ही मतों की गिनती शुरू होती है। गौरतलब है कि मतदान डाटा का उपयोग चुनाव परिणाम को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए किया जा सकता है। एक ओर जहां चुनावों में ई.वी.एम. से छेड़छाड़ पर सवाल उठाया गया है वहीं फॉर्म 17सी से मतदान में हुई गड़बड़ी (यदि हुई हो तो) का पता चल सकता है। जिस तरह पहले और दूसरे चरण के मतदान के आंकड़ों को जारी करने में देरी व बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर प्रश्न उठा तो विपक्ष ने फॉर्म 17सी को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। देश की शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने अपना पक्ष रखा और विपक्षी पार्टियों ने अपना पक्ष रखा। परंतु सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कोई निर्णय नहीं दिया। बीते सप्ताह देश के नामी वकील और सांविधानिक विशेषज्ञ कपिल सिब्बल ने एक प्रैस सम्मेलन बुलाकर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से एक चैकलिस्ट जारी की।

वोटों की गिनती पारदर्शिता से जरूरी...

रजनीश कपूर

देश के नामी वकील और सांविधानिक विशेषज्ञ कपिल सिब्बल ने एक प्रेस सम्मेलन बुलाकर सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एक चेकलिस्ट जारी की। सिब्बल ने हर राजनैतिक दल और उनके मतदान/मतगणना एजेंटों के लिए आगामी 4 जून को आम चुनाव की गिनती से पहले जारी की गई इस चेकलिस्ट के माध्यम से यह समझाया है कि उन्हें कब क्या देखना है। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव अपने अंतिम चरण तक पहुँच गये हैं। अब सभी को चुनावी एग्जिट पोल और 4 जून का बेसब्री से इंतज़ार रहेगा। सभी यह देखना चाहेंगे कि विवादों में घिरी 'ईवीएम' अंत में किसकी सरकार बनाएगी? हर राजनैतिक दल ये बड़े-बड़े दावे कर रहा है कि उसका दल या उसके समर्थन वाला समूह सरकार बनाने जा रहा है या नहीं? ऐसे में यह भी देखना ज़रूरी है कि केंद्रीय चुनाव आयोग, जिसकी कार्यशैली पर कई सवाल उठे, वह इस चुनाव को कितनी पारदर्शिता सेपूरा करेगा? देश में आम चुनाव हमेशा से ही एक पर्व की तरह मनाया जाता है। इसमें हर राजनैतिक दल अपने-अपने वोटरों के पास अगले पाँच साल के लिए उन्हें बड़े-बड़े वादे देकर लुभाने की कोशिश करते हैं ताकि वोट मिले। परंतु देश की जनता यह जान चुकी है कि दल चाहे कोई भी हो, राजनैतिक वादे सभी दल ऐसे करते हैं कि मानो जनता उनके लिए पूजनीय है और ये नेता उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। परंतु क्या वास्तव में ऐसा होता है कि चुनावी वादे पूरे किए जाते हैं? क्यों नेताओं को केवल चुनावों के समय ही जनता की याद आती है? खैर ये तो रही नेताओं की बात। असली मसला चुनावों के साफ-सुथरे होने और पारदर्शिता का है। चुनावों का आयोजन करने वाली सर्वोच्च संवैधानिक संस्था केंद्रीय चुनाव आयोग इन चुनावों को कितनी पारदर्शिता से करा रही है इसकी चर्चा बीते कई महीनों से सभी तरफ है। चुनाव आयोग की यह प्राथमिकता होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौक़ा दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए। बीते कुछ महीनों में चुनाव आयोग पर पहले ईवीएम को लेकर और फिर वीवीपैट को लेकर काफ़ी विवाद रहा। हर विपक्षी दल ने एक सुर में यह आवाज़ लगाई कि देश से ईवीएम को हटा कर बैलेट पेपर से ही चुनाव कराए जाए। परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ईवीएम को जारी रखा। इन विवादों के बाद चुनावों की मतगणना को लेकर फॉर्म 17सी पर एक नई बहस उठी जो देश की शीर्ष अदालत में भी जा पहुँची। दरअसल, फॉर्म 17सी वह फॉर्म होता है जिसमें चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत देशभर के प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकार्ड होता है। फॉर्म 17सी में मतदान केंद्र के कोड नंबर और नाम, मतदाताओं की कुल संख्या होती है। उन मतदाताओं की संख्या भी जिन्होंने मतदान नहीं करने का निर्णय लिया। उन मतदाताओं की संख्या जिन्हें मतदान करने की अनुमति नहीं मिली। दर्ज किए गए वोटों की संख्या। खारिज किए गए वोटों की संख्या। वोटों के खारिज करने के कारण। स्वीकार किए गए वोटों की संख्या। इसमें डाक मतपत्रों का डाटा भी शामिल होता है। इस जानकारी को मतदान अधिकारियों द्वारा भरा जाता है और प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जाँचा भी जाता है। मतगणना के दिन, गिनती से पहले, फॉर्म 17सी के दूसरे भाग में प्रत्येक बूथ से गिने गए कुल वोट व डाले गए कुल वोटों की समानता को जाँच जाता है। यह व्यवस्था किसी भी पार्टी द्वारा वोटों में हेरफेर से बचने के लिए बनाई गई है। यह डाटा मतगणना केंद्र के पर्यवेक्षक द्वारा दर्ज किया जाता है। प्रत्येक उम्मीदवार (या उनके प्रतिनिधि) को फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांचा जाता है। इसके बाद ही मतों की गिनती शुरू होती है। ग़ौरतलब है कि मतदान डाटा का उपयोग चुनाव परिणाम को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए किया जा सकता है। एक ओर जहां चुनावों में ईवीएम से छेड़छाड़ पर सवाल उठाया गया है वहीं फॉर्म 17सी से मतदान में हुई गड़बड़ी (यदि हुई हो तो) का पता चल सकता है। जिस तरह पहले और दूसरे चरण के मतदान के आँकड़ों को जारी करने में देरी व बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर प्रश्न उठा तो विपक्ष ने फॉर्म 17सी को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। देश की शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने अपना पक्ष रखा और विपक्षी पार्टियों ने अपना पक्ष रखा। परंतु सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कोई निर्णय नहीं दिया।

बीते सप्ताह देश के नामी वकील और सांविधानिक विशेषज्ञ कपिल सिब्बल ने एक प्रेस सम्मेलन बुलाकर सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एक चेकलिस्ट जारी की। सिब्बल ने हर राजनैतिक दल और उनके मतदान/मतगणना एजेंटों के लिए आगामी 4 जून को आम चुनाव की गिनती से पहले जारी की गई इस चेकलिस्ट के माध्यम से यह समझाया है कि उन्हें कब क्या देखना है। सिब्बल के अनुसार बहुत से लोग कह रहे हैं कि इन मशीनों के साथ संभवतः छेड़छाड़ की गई है। इसलिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके साथ कोई छेड़छाड़ न हो, इससे ज्यादा कुछ नहीं। हम यह नहीं कह रहे कि उनके साथ छेड़छाड़ की गई है। किसी भी मशीन से छेड़छाड़ की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि दुनिया में कोई ऐसी मशीन है जिसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। हमें इस पर भरोसा है; हम यह नहीं कह रहे हैं कि कोई भरोसा नहीं है। कपिल सिब्बल की इस चेकलिस्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर काफ़ी चर्चा में है। जिस तरह केंद्रीय चुनाव आयोग इवीएम और वीवीपैट को लेकर पहले से ही विवादों में घिरा हुआ है उसे चुनावों में पारदर्शिता का न केवल दावा करना चाहिए बल्कि पारदर्शी दिखाई भी देना चाहिए। इसलिए कपिल सिब्बल द्वारा जारी की गई चेकलिस्ट को सभी राजनैतिक दलों को गंभीरता से लेना चाहिए।

आयु का बढ़ना, समय का हाथ से फिसलने जैसा...

ट्विंकल तोमर सिंह

भय सजाने वाला जन्मदिवस अब उसे उतना हर्षित नहीं करता, जितना पहले किया करता था। वह बचता है कैलेंडर में अपने जन्मदिवस की तारीख को पास आते देखने से। वह कतराता है दर्पण में चेहरे की झुर्रियों को देखने से। जाने किस गोपनीय विधि से प्रकृति कार्य करती है कि प्रतिदिन वही चेहरा दर्पण में दिखता है, पर वर्षों पहले ली गई तस्वीरें बताती हैं कि दर्पण ने झूठ बोला, चेहरा तो बदल गया। अभी ही तो हमने जीवन को समझा था, जीवन जीने की कला सीखी थी, कुछ रस चखे थे और इतनी जल्दी जीवन का प्रक्षेपण पथ पूर्ण होने को आ गया। काश कोई विद्या होती, कोई तो तंत्र होता कि समय बांध कर रख लिया जाता। आयु का बढ़ना, समय का हाथ से फिसलते जाना क्या इतना बुरा है कि समय को बांध कर रखने की इच्छा को मन में स्थान दिया जाए? विचार किया जाए कि घड़ी को हाथ में बांध लेने से समय भी मुट्ठी में बंद हो जाता तो कैसा होता? सबका अपना समय अपनी मुट्ठी में। जैसे चाहे वैसे खर्च करें। पर समय का रुकना ऐसा होता, जैसे एक कक्ष के सारे किवाड़, सारे रोशनदान, सारी खिड़कियां बंद हों, हवा रुंध जाए। दृश्य कितना भी सुंदर हो, उसे सदा के लिए निहारा नहीं जा सकता। उससे भी मन विरक्त हो जाता है। आमतौर पर लोग बीते हुए सुख के पलों को स्मरण करके वर्तमान से असंतुष्ट रहते हैं। बीता यौवन उन्हें जीवन से रूप, बल, शक्ति और स्वास्थ्य संपदा के ह्रास का अहसास कराता रहता है। सफेद होते बाल, आंखों पर चश्मा, माथे पर लकीरें, चेहरे पर ताजगी की कमी, हम तो ऐसे पहले न थे। पीछे मुड़कर देखने पर हम पाते हैं कि हम बीते वर्षों में कितने प्रसन्न थे। चिंताएं कम थीं, कर्तव्यों के बोझ ने हमारी रीढ़ को टेढ़ा नहीं कर रखा था, सामाजिक मान-सम्मान की चाह नहीं थी। हमारे पास आशाओं का एक सागर लबालब भरा था। हमने दुख के थपेड़े नहीं देखे थे। हमारी न केवल आयु कम थी, सपने अधिक थे। हम उन्मुक्त होकर संसार का सुख लेते थे। पर अपने अंदर एक प्रश्न का उत्तर टटोल कर देखें- क्या आत्मा में ये निखार था? दुखों को सहने के लिए आवश्यक लचीलापन मेरुदंड में था? क्या हम इतने सशक्त थे कि संघर्षों की आंधी हमें तिनके की तरह उड़ा न सके? हर परिस्थिति को संयत रहकर झेल सकने की युक्ति बुद्धि में थी? बिरला ही कोई होगा जो यह बात दृढ़ता से कह सकेगा कि दस वर्ष पूर्व भी वह उतना ही परिपक्व था जितना कि आज। हमने देखा कि शरीर बूढ़ा होता जाता है, पर हम यह नहीं अनुभव कर पाए कि आत्मा हर दिन नया अनुभव, नया ज्ञान पाकर, नई परीक्षाओं से गुजर कर और युवा होती जाती है। आत्मा अपनी पूर्णता और प्रबलता की ओर निरंतर यात्रा कर रही थी। क्यों हमको बीते समय में की गई मूर्खताओं पर विक्षोभ होता है? अतीत में किसी मोड़ पर लिए गए गलत निर्णय के प्रति ऐसा क्यों लगता है कि काश उस समय अक्ल आ गई होती। हममें से कई लोग ऐसे होंगे जो अपने बचपन या अपनी युवावस्था के सुखों को स्मरण करके आहें भरते हैं। कुछ ज्ञानी ऐसे भी मिलेंगे जो अतीत में जाने से साफ इनकार कर देंगे, क्योंकि चीजें एक 'पैकेज' के रूप में मिली हैं। 'टाइम ट्रैवेल' यानी 'समय की यात्रा' करके अतीत में पहुंच गए तो आज की बुद्धि के संग नहीं पहुंचेंगे। ज्ञान, अनुभव, परिपक्वता भी तो चली जाएगी। प्रसिद्ध अमेरिकी निर्माता निर्देशक वाल्ट डिज्नी का कहना है- 'बूढ़ा होना अनिवार्य है, लेकिन परिपक्व होना वैकल्पिक है!' दुख चाहे आज मिले या कल, यह एक वरदान ही है! सुख मात्र अच्छे कर्मों के पुरस्कार के रूप में मिलता है। वह भोग कराता है, कुछ सिखाता नहीं है। दुख, पीड़ा, बढ़ती वय से शरीर भले ही पीला पड़ता जाए, आत्मा हरी होती जाती है। यों, जैसे बीज के दल सूख जाते हैं और अंकुर पनपता जाता है। हमें इसी बिरवे को पोषित करना है, बीज का दल सूख गया, इसका मातम नहीं मनाना है। आयु बढ़ने के कुछ कठिन और अप्रिय पहलू हैं, पर इन्हें बढ़ती उम्र के कुछ शानदार पहलुओं पर हावी नहीं होना चाहिए। एक अध्ययन में पाया गया कि मध्यम आयु वर्ग के लोगों की अपेक्षा वरिष्ठ आयु वर्ग के लोग अधिक प्रसन्न रहते हैं। इस विषय पर लेखक सेवेरियो स्ट्रेंजेस कहते हैं, 'यह बेहतर संघर्ष कर पाने की क्षमताओं के कारण हो सकता है। वृद्ध लोगों में परेशानियों या नकारात्मक परिस्थितियों से निपटने के लिए आंतरिक तंत्र होते हैं, जो युवा लोगों की तुलना में बेहतर होते हैं।' 'हमें अपनी आयु अपने अंदर होने वाले परिवर्तनों से गिननी चाहिए, न कि वर्षों से।' तो अपने अंदर आए परिवर्तनों से आयु नाप कर देखने पर पता चलेगा कि अभी तो कुछ उम्र गुजरी ही नहीं। सोच कर देखा जाए, ईश्वर कितना दयालु विनिमय व्यापारी है कि अगर वह हमसे कुछ लेता है तो बदले में उतनी ही गुणवत्ता की कोई अन्य वस्तु हमें प्रदान कर देता है।

दौलतमंदों का दागदार दामन समाज और शिक्षा पर सवाल

उस दिन मैं एक पूर्व नन के साथ बस में सफर कर रहा था। उसने हाल ही में कॉन्वेंट को अलविदा कहा था। अब उसे मस्ती करने से कोई नहीं रोक सकता था। उसने गाना और ताली बजाना शुरू कर दिया, वह कोशिश में लग गई कि बाकी लोग भी सुर में सुर मिलाएं। वह बाहर राहगीरों को भी आवाज देने लगी। इसके बावजूद आनंद न मिला, तो वह उलझन में पड़ गई। वास्तव में, असंख्य भारतीय युवाओं की यही उलझन है। वे मौज-मस्ती की तलाश में निकलते हैं और निराशा हाथ लगती है। अंततः अनेक युवाओं को मौज की तलाश में नशे के आगोश में जाना पड़ता है। लड़खड़ाना पड़ता है, गिरना पड़ता है। वास्तव में यह वही मिजाज है, जो मैं भारत में असाधारण रूप से अमीर युवाओं में देखता हूं। ऐसे युवा मौज-मस्ती के खनिकों जैसे दिखते हैं। आखिरकार, वे बस इतना ही कर सकते हैं कि नशे में धुत होकर 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चलाने लगें। कभी वे पैदल चलने वालों को कुचल देते हैं, तो कभी पीछे से टकर मार देते हैं,जैसा पुणे में हुआ। नशे में धुत्त 17 वर्षीय लड़के ने पिता की पोर्श कार से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, दो लोगों की मौत हो गई। तब से भारत में बहुत लोग असमंजस में हैं कि उस किशोर के साथ क्या किया जाए? पहले उसे हादसे के 15 घंटे के भीतर जमानत पर रिहा कर दिया गया और बाद में लोगों के गुस्से की वजह से उसे वापस रिमांड पर ले लिया गया। किशोर का पिता विशाल अग्रवाल बिल्डर है, जिसके बारे में ऐसा लगता है कि उसने जानते-समझते हुए भी बेटे को कार दी। बाप ने बचने की बहुत कोशिश की, पर अंततः उसे गिरफ्तार कर लिया गया, उसके दादा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यहां कानूनी शब्दजाल से परे देखिए, वह किशोर ही नहीं, उसके खराब अभिभावक भी समाज के लिए खतरा बन जाने की वजह से गिरफ्तार कर लिए गए। वस्तुतः आज भारत के ज्यादातर अमीर परिवार ऐसे ही लोगों से भरे पड़े हैं। हालांकि, भारत में ऐसे असाधारण अमीर हैं, जिनके घरों में बच्चों को अच्छी तरह से सिखाया जाता है कि वे अच्छा व्यवहार करें और लोगों को न कुचलें। हालांकि, साधारण अमीर बहुत अलग किस्म के होते हैं। वे अपने बच्चों को अपनी किस्मत पर इतराना सिखाते हैं और दूसरों के प्रति दया की सीख को जरूरी नहीं मानते हैं। आप भारत के कुछ अमीरों के साथ बैठकर देखिए, सिर्फ यही सुनेंगे कि पैसे ने क्या खरीदा है और आगे क्या खरीदने वाला है। एक पीढ़ी ऐसे ही संवाद सुनकर बड़ी हुई है और यही मानती है कि अमीरों को अपनी किस्मत का ऐसे ही आनंद लेना चाहिए। वैसे, मेरा अनुमान है, धन से खरीदी जा सकने वाली सबसे अच्छी चीज बुद्धि ही है। बुद्धि की उत्पत्ति धन से होती है और यह अभी भी अमीरों की सर्वोत्तम सेवा करती है। बुद्धि या किसी बौद्धिक खोज के बिना अमीर लोग भौतिक चीजों में मनोरंजन तलाशने लगते हैं, जो दूसरों को सुलभ नहीं हैं। इस मांग के जवाब में, पूंजीवाद ने अति-अमीरों के लिए अनेक नकली उत्पादों का आविष्कार कर रखा है, पर जब उसमें भी मजा नहीं आता है, तब कुछ अमीर अजीबोगरीब हरकत करने लगते हैं और अंततः निराश हो जाते हैं। ऐसे में, उन्हें अधिक से अधिक खरीदना होगा और ध्यान खींचने के लिए जोखिम भरा काम करना होगा, जैसे 200 किलोमीटर की रफ्तार से गाड़ी दौड़ाना? अफसोस, हम अपने आस-पास जिन अमीरों को देखते हैं, उनमें से अधिकांश पूंजीवाद के विजेता, पिछली पीढ़ियों से प्राप्त प्रगति के लाभार्थी हैं। अपने देश में नए अमीर समस्या नहीं हैं, उनका नया व्यवहार समस्या है। ध्यान दीजिए, दुर्घटना के बाद लोगों ने किशोर और पोर्श कार पर हमला बोल दिया। हम मान सकते हैंकि यह पीड़ितों की ओर से गुस्से का इजहार नहीं था, बल्कि यह महंगी पोर्श कार के प्रति गुस्सा था।

एग्जिट पोल में तीसरी बार मोदी सरकार

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5255

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5254

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5255

1	2	3	4	■	5	6	7
8				■	9		
10				■	11		■
■	■	12		13	■	14	15
16		■	17		18	■	
	■	■	■	19			■
20	21	■	22			■	23
24			■		■	25	

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के इस स्थान को सफेद पानी के नाम से जाना जाता है (4)
6. मध्यप्रदेश का विदिशा जिला इस नदी के तट पर स्थित है (3)
8. उपयुक्त अवसर पर, ठीक वक्त पर, बिना चूके, सही समय पर (4)
9. लेखनी, कटकर लगाने की टहनी (3)
10. झंकृत होना, झनकारना, टंकृत होना (4)
11. यह मध्यप्रदेश का एक नगर व लोकगान है (2)
12. व्यर्थ, फिजूल, बेमतलब (3)
14. भास्कर, सूर्य, सूरज एक दिवंगत फिल्म संगीतकार जिनका निधन 7 मार्च 2012 को मुंबई में हुआ (2)
16. गगनचारक, उदधि, नभगत (2)
17. आचार-व्यवहार, शैली, तर्ज (3)
19. निर्माण, रचना, इमारत बनाना (3)
20. दो बार उच्चारित, घुंघरू (2)
22. राशि, प्रकार, जैसा (3)
24. त्यागना, छोड़ना, परित्याग करना (3)
25. हस्ताक्षर, यथार्थ, वास्तविक दस्तखत (2)

ऊपर से नीचे
1. पं.रविशंकर नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा है (3)
2. रावण को यह भी कहते है (3)
3. सटना, आलिंगन करना, आसक्त होना (4)
4. नृसिंह अवतार, वीर पुरुष (5)
5. भट्ठी, तापभट्ठी (3)
6. यह छत्रपति शिवाजी का ताज है, अग्नि (4)
7. सार्थ, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
13. यह जो कविता की रचना करे, कवि (3)
15. जगत, संसार, दुनिया (2)
16. महाकवि कालिदास की एक प्रसिद्ध कृति (4)
18. सुगंध, महक, खाद्य, नमक (3)
21. गर्व, घमंड, घोषणा, फख्र, मन अभिमान (2)
23. वर्तमान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी इस नाम से भी जाने जाते है, मछली, मालिक (2)

वर्ग पहेली 5254 का हल

बै	क	ऑ	क	हि	दु	स्ता	न
क	■	न	ल	■	म	■	य
■	बु	ला	ना	■	दा	म	न
■	■	ड़	■	सु	र	ज	■
सु	■	न	म	ना	■	बू	ता
र	बु	■	त	प	■	र	ज
सा	■	पा	ल	न	■	■	पी
■	त	ल	व	■	त	ला	शी

कोमल बाफना परिवार द्वारा शनि जयंती पर महाप्रसादी का आयोजन 6 को

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 6 जून गुरुवार को समाजसेवी श्री कोमल बाफना परिवार के द्वारा भगवान श्री शनिदेव की जयंती के पावन अवसर पर खानपुरा स्थित श्री शनिदेव मंदिर परिसर में प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। समाजसेवी श्री कोमल बाफना परिवार के द्वारा निरंतर 15वें वर्ष में शनि जयंती के उपलक्ष्य में यह आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन की तैयारियां प्रारंभ हो गई है मंदिर के समीप खुले मैदान की सफाई का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा वहां महाप्रसादी के आयोजन हेतु आवश्यक कार्य किये जा रहे है। शनि जयंती के एक दिवस पूर्व दिनांक 5 जून बुधवार व दिनांक 6 जून गुरुवार को शनि जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवस तक मंदिर पर आकर्षक विद्युत साज सज्जा की जायेगी। दिनांक 6 जून को प्रात: 6 बजे भगवान शनिदेव की प्रतिमा का विशेष पूजा व तेलाभिषेक होगा। प्रात: 10 से रात्रि 10 बजे तक शनि मंदिर के समीप खुले मैदान में महाप्रसादी का आयोजन होगा। जिसमें लगभग 20 हजार से अधिक धर्मालुजनों के पधारने की संभावना है। समाजसेवी श्री कोमल बाफना ने सभी धर्मालुजनों से महाप्रसादी ग्रहण करने का आग्रह किया है।

6 जून शनि जयंति पर खानपुरा स्थित शनि मंदिर पर होगा तेलपूजन, महाआरती व 56 भोग का आयोजन– खानपुरा स्थित चमत्कारिक एवं अतिप्राचीन मंदिर शनि मंदिर पर दिनांक 6 जून गुरुवार को शनि जयंति धूमधाम से मनाई जाएगी।

उक्त जानकारी देते हुए शनि मंदिर समिति अध्यक्ष पं. अरूण शर्मा ने बताया कि शनि जयंति पर प्रात:काल से ही शनि प्रतिमा पर तेल पूजन एवं अभिषेक किया जाएगा। सायं 7.30 बजे विशेष महाआरती का आयोजन होगा। सायंकाल आरती के पश्चात् 56 भोग का नैवेद्य भगवान श्री शनिदेव को लगाया जाएगा। पं. शर्मा ने बताया कि दिन भर शनि भक्तों के दर्शन एवं तेलाभिषेक के लिये समिति द्वारा व्यवस्था की गई है। साथ ही दिन भर भक्तों को प्रसादी का वितरण होगा।। आपने बताया कि शनि जयंति के साथ-साथ अमावस्या का भी विशेष संयोग 6 जून को बना है जो विशेष फलदायी है। समिति के अध्यक्ष पं. अरूण शर्मा एवं समस्त सदस्यों ने सभी शनि भक्तों से निवेदन किया है कि शनि मंदिर पर पधारकर धर्मलाभ ले।

देवर्षि नारद की भांति मंदसौर के पत्रकारों ने भी देशभर में सकारात्मक पत्रकारिता का परचम लहराया

मंदसौर जिला प्रेस क्लब एवं विश्व संवाद केन्द्र द्वारा देवर्षि नारद जयंती मनाई, पत्रकारों का सम्मान हुआ

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला प्रेस क्लब एवं विश्व संवाद केन्द्र मंदसौर द्वारा देवर्षि नारद जयंती समारोह का आयोजन पूज्यपाद संत श्री मणि महेश चेतन्यजी महाराज के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथी समाजसेवी नरेन्द्र मेहता व मुख्य वक्ता देवास के वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र पुरोहित थे। अध्यक्षता मंदसौर जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने की। समारोह को संबोधित करते हुए संतश्री मणि महेश चेतन्यजी महाराज ने कहा कि देवर्षि नारद को सृष्टिका प्रथम पत्रकार माना जाता है क्योंकि देवर्षि तीनों लोकों का भ्रमण करते हुए सकारात्मक सूचनाओं का आदान-प्रदान लोक कल्याण के लिए करते थे। देवर्षि की पत्रकारिता मान, पद या प्रतिष्ठा के लिए नहीं होती थी बल्कि उसमें केवल और केवल जनकल्याण ही होता था। स्वामीजी ने कहा कि यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि मंदसौर के पत्रकारों ने भी आरंभ से ही देवर्षि नारद वाली पत्रकारिता को ही आत्मसात किया है और पत्रकारिता के क्षेत्र में मंदसौर की प्रतिष्ठा को बढाया है। नगर की ओर इस पूरे अंचल की धार्मिक गतिविधियों और धार्मिक आयोजनों को भी पूरी प्रमुखता से यहां के प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मिडिया ने हमेशा प्रचारित-प्रसारित किया है।

समारोह के मुख्य वक्ता देवास के वरिष्ठपत्रकार जितेन्द्र पुरोहित ने देवर्षि नारद लोक चिंतन में सूचना-संचार के प्रथम प्रणेता पर अपना उदबोधन देते हुए कहा कि देवर्षि नारद का प्रथम उद्देश्य सृष्टिका कल्याण ओर जन-जन का हित था , इसी ध्येय को लेकर उन्होंने संपूर्ण ब्रह्मांड का विचरण किया। देवताओं और असूरों दोनो के शिविरों में वे जाते थे और सृष्टि के कल्याण ओर सभी के व्यापक हित में सकारात्मक दृष्टिकोण से सूचनाओं का आदान-प्रदान करते थे। वे ईधर की उधर नहीं करते थे वरन लोक मंगल की कामना से आवश्यक सूचना को जहां पहुंचाना होता था वहां पहुंचाते थे ताकी सृष्टिका कल्याण हो और किसी भी जन का अहित ना हो। आज देश में जिस तरह की परिस्थितियां चल रहीं है इसमें नारदीय परम्परा की पत्रकारिता अधिक प्रासंगिक हो गई है। पत्रकारिता का उद्देश्य सृजन है संहार नहीं। जिस प्रकार से सुगंध और दुर्गन्ध अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति से फैलती हीं है उसी प्रकार पत्रकारिता के आईने में भी वह पूरा सच आता हीं है चाहे वो रचनात्मक हो या विकृत। समारोह के मुख्य अतिथी वरिष्ठ समाजसेवी नरेन्द्र मेहता ने कहा कि मुझे इस बात की बड़ी प्रसन्नता है कि मंदसौर के पत्रकारों ने सदैव सामाजिक मूल्यों का संरक्षण किया है और समाज की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है। आज यदि मंदसौर का नाम सामाजिक ओर धार्मिक क्षेत्र में इस पूरे अंचल में अगृणी माना जाता है तो उसके पीछे मंदसौर की पत्रकारिता का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे मंदसौर जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने कहा कि सनातन परंपरा में हमारे धर्मग्रंथ ओर पोराणिक पात्र सदैव जनहित और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते है। देवर्षि नारद ने अपने कर्म और आदर्शो से सृष्टि के कल्याण के लिए जो आयाम स्थापित किए है उनका अनुकरण करना पत्रकारों का प्रथम दायित्व है। समारोह के आरंभ में अतिथियों ने मॉ सरस्वती और देवर्षि नारद के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प समर्पित कर किया। अतिथियों का सम्मान शाल और श्रीफल भेटकर किया गया। सम्मान और स्वागत करने वालों में वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल, डॉ घनश्याम बटवाल, नरेन्द्र अग्रवाल, नरेन्द्र धनोतिया, मनिष पुरोहित, राजेश कुलश्रेष्ठ, ओमप्रकाश सोनी, गायत्रीप्रसाद शर्मा, राहूल सोनी, सुरेश भावसार, राजेश पाठक, शाहीद चौधरी, शंभूसेन राठौर, ललीत पटेल, सचीन जैन, जितेश फरक्या, अनिल संगवानी, संजय भाटी, मुकेश आर्य, ललित भाटी, राकेश भाटी, सचिन पारिख, अंकित सोनी, शाहिद पठान, ओकारसिंह, उमेश नेक्स, निखिल पोरवाल समेत पत्रकार साथियों ने किया। समारोह में नगर के गणमान्यजन और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारगण सम्मिलित हुए। अतिथि परिचय प्रहलाद शर्मा पिंटू ने दिया, सरस्वती वंदना बंशीलाल टांक ने प्रस्तुत की।

गायत्री परिवार व वर्क संस्था ने श्रमदान से 4 ट्राली गंदगी बाहर निकाली

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार व वर्क संस्था की कालाखेत स्थित वर्षों पुरानी आक्कासी वाली बावड़ी से पांच हफ्तों में पांच बार कुल 10 घण्टे श्रमदान कर यहां से 8 साल से फैली गंदगी निकालकर 4 ट्रालियों के माध्यम से फिकवाई गई। यहां के आसपास के निवासियों ने इस बावड़ी में कचरा, फूलपत्ती व कपड़े डालकर बावड़ी का डस्टबिन का रूप दे दिया था।

श्रमदानियों ने बताया कि यह बावड़ी बरसों पुरानी होकर हमारी धरोहर है लेकिन हम अपनी इनके प्रति अपनी जवाबदेही नहीं निभाते हुए इन्हें खत्म करने पर लगे हुए है। हमारी सरकारों एवं प्रशासन ने इस ओर ध्यान देना बिल्कुल बंद कर दिया है। अगा जल स्त्रोत ही नष्ट हो जायेंगे तो हमारा जीवन कैसे बच पायेगा। हमारे चुने हुए जनप्रतिनिधियों को इस ओर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। ताकि कोई भी जलस्त्रोत का पानी गंदा न रह सके। नागरिकों का कर्तव्य भी है कि अगर वह किसी स्थान की सफाई नहीं कर सकते है तो उन्हें उस स्थल को गंदा करने का अधिकार भी नहीं है। शासन प्रशासन को चाहिये कि जहां भी पानी के स्त्रोत है उन्हें गंदगी से बचाने के लिये वहां सीसीटीवी कैमरे लगाये जाये तथा जो भी गंदगी करते हुए

पाया जाये तो उस पर चालानी कार्यवाही करते हुए दण्ड का प्रावधान किया जाए जिससे सार्वजनिक व धार्मिक स्थान गंदे न हो। जल स्वच्छता अभियान प्रभारी हर्ष शर्मा ने कहा कि तेजी से फैल रही गंदगी को नहीं रोका तो आने वाले समय में काफी परेशानी झेलनी पड़ेगी। शासन प्रशासन भी अभियान में सहयोग प्रदान करे। गंदगी को बाहर निकालकर फेका जाए नहीं तो मलेरिया व डेंगू के मच्छर पनपेंगे और बीमारियां फैलेगी। वर्क संस्था के फिरोज हुसैन व जाफर भाई ने व्याप्त गंदगी के प्रति काफी दु:ख प्रकट किया। आज गायत्री परिवार इतनी बड़ी संस्था होकर जिसने 2011 से नगर में सफाई अभियान चला रखा है तथा सभी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कर रही है लेकिन शासन प्रशासन का सहयोग नहीं मिल रहा है। नगरपालिका को भी अपने साधन व मेनपावर इस अभियान के साथ जोड़ना चाहिये। श्रमदानी रमेश सोनी ने कहा कि कोई भी जल स्वच्छता अभियान में सहयोग नहीं कर रहा है। आज हम जल की कीमत नहीं समझ रहे है लेकिन आने वाले समय पर जल को लेकर विश्व में युद्ध होगा। योगेशसिंह सोम ने कहा कि कम से कम वार्डवासी व नगरपालिका के कर्मचारी दो घंटे श्रमदान करें। इससे हर वार्ड व वहां स्थित कुएं, बावड़ी व बाग बगीचे साफ रहेंगे। शुद्ध जल व हवा मिलेगी। कुएं बावड़ियों का वाटर लेवर उपर रहेगा। श्रमदान में कन्हैयालाल शर्मा, जाफर हुसैन, फिरोज खान, साहिद, अशोक धनोतिया, रमेश सोनी, योगेशसिह सोम, हर्ष शर्मा, ललित भाटी, रोहित शर्मा ने श्रमदान किया।

पीजी कॉलेज मंदसौर में एमएससी -भौमिकी विज्ञान (भू-गर्भ शास्त्र) नवीन पाठ्यक्रम आरंभ

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर जिले के अग्रणी महाविद्यालय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर न सिर्फ जिले में बल्कि प्रदेश एवं आस-पास के प्रदेशों में भी अपनी पहचान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। इसी अनुक्रम में महाविद्यालय में सत्र 2024-25 से नवीन पाठ्यक्रम एम.एससी.-भौमिकी विज्ञान (भू-गर्भ शास्त्र) पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त पाठ्यक्रम मध्यप्रदेश सहित सीमावर्ती प्रदेशों के गिने-चुने संस्थानों में ही संचालित है। ऐसे में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर में इस पाठ्यक्रम की शुरुआत मन्दसौर जिले के लिए गौरव का विषय है। साथ ही मन्दसौर जिले सहित संपूर्ण मध्यप्रदेश एवं निकटवर्ती प्रदेशों राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात आदि प्रदेशों के छात्रों के लिए भी यह रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा क्योंकि भू-गर्भ विज्ञान के क्षेत्र में वर्तमान समय में रोजगार की अत्यधिक संभावनाएँ विद्यमान हैं। राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर की ओर से उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु छात्रों से अपील की गई है।

बड़े नालों की सफाई का कार्य जारी

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर के निर्देशानुसार मंदसौर नपा परिषद के द्वारा वर्षा ऋतु में नगर के निचले क्षेत्रों में जलभराव को रोकने के लिये बड़े नालों की सफाई का कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है। वर्षा पूर्व नपा के द्वारा बडे नालो की सफाई की जा रही है। इसी के अंतर्गत कल तेलिया तालाब के झरने वाली पुलिया के समीप नाले की सफाई का कार्य किया गया। नपा के द्वारा होमगार्ड के पीछे बडे नाले की सफाई का कार्य भी प्रारंभ किया गया है। नपा परिषद के द्वारा अन्य स्थानों पर भी नालों की सफाई की जा रही है।

जनजागरूकता रैली 6 को

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, जलकार्य सभापति श्री निलेश जैन, सीएमओ श्री सुधीर कुमारसिंह ने बताया कि म.प्र. शासन के आदेशानुसार प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में जल स्त्रोतों जैसे नदी तालाबों, कुओं, बावड़ियों के संरक्षण, पुर्नजीवन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार उक्त अभियान के अंतर्गत मंदसौर नगर में दिनांक 6 जून 2024, गुरुवार को प्रात: 7.30 बजे गांधी चौराहा से महाराणा प्रताप चौराहा होते हुए तेलिया तालाब तक जल संरक्षण हेतु जनजागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है। नपा परिषद नगर के समस्त पर्यावरण प्रेमियों स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से आग्रह करती है कि वे इस जनजागरूकता रैली में शामिल होवे।

स्वदेशी जागरण मंच के मालवा प्रांत का प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग मालवा प्रांत के देवास जिले में संपन्न हुआ। जिसमें मंदसौर से जिला संयोजक अंकुश पालीवाल जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत सहित 8 कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम सत्र में क्षेत्रीय संगठक श्री केशव दुबौलिया ने स्वदेशी जागरण मंच की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। सत्र में क्षेत्रीय श्री संयोजक सुधीर दाते, अखिल भारतीय सह महिला समन्यक श्रीमती अर्चना मीणा, अध्यक्षता कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी सहित प्रांत से 13 जिलों से 127 स्वदेशी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। तीसरा सत्र में स्वदेशी मेले के सह प्रमुख उद्यमी साकेत राठौड़ ने स्वदेशी मेले के बारे में विस्तार से बताया। सत्र की अध्यक्षता नगरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा की गई। चौथे सत्र के दौरान स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक श्री विवेक दुबे ने स्वदेशी के कार्यकर्ताओं के बीच कार्यकर्ताओं के गुण विशेष पर चर्चा करते हुए संवाद किया। इसके पश्चात स्वदेशी जागरण मंच के सभी कार्यकर्ता देवास की सड़कों पर निकलकर स्वदेशी पत्रक देने के लिए लोगों के पास घर दुकान पहुंचे व आम नागरिकों से स्वदेशी अपनाने की अपील की गई। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यकर्ताओं ने नगर कि बस्ती मे पौधों का वितरण, पौधरोपण किया एवं रैली निकाल कर स्वदेशी नारे के साथ जनमानस से पौधों को लगाने एवं

संरक्षण की अपील रखी। प्रांत अधिकारियों के मार्गदर्शन हुए प्रांत संयोजक हरिओम वर्मा सहसंयोजक विशाल पुरोहित दिलीप चौधरी दो दिवसीय वर्ग में मंदसौर से भी 8 कार्यकर्ताओं जिला संयोजक अंकुश पालीवाल जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत ने भाग लिया। इस दौरान मंदसौर तहसील का गठन भी किया गया तहसील संयोजक अभिजीत मंडलोई तहसील व संपर्क प्रमुख देवेंद्र भारती को को बनाया गया।

आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करने का काम राजयोगिनी समिता बहन ने किया-हेमलता बहन

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी समिता दीदी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर नयाखेड़ा बायपास स्थित सद्भावना सरोवर पर स्नेहांजली कर्यक्रम एवं नवीन भवन निर्माण का भूमि पूजन इंदौर झोन की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी हेमलता दीदी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ शशि गांधी, मंदसौर प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, युवक कॉंग्रेस नेता सोमिल नाहटा, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल राठौर, इंजीनियर अनिल जैन एवं वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम बटवाल, इंजीनियर पार्थ एवं लक्ष्मण भाई माउंटआबू उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों से पधारी राजयोगिनी बहने भी मंचस्थ थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजयोगिनी हेमलता दीदी ने कहा कि समिता दीदी अध्यात्म जगत की अमूल्य रत्न थी जिसने मंदसौर जिले की अनेक आत्माओं के कल्याण के लिये काम करते हुए पौधें को सींच कर पुष्पित किया। आपने भाई बहनो का आव्हान करते हुए कहा कि समिता बहन का संकल्प भवन निर्माण के रूप में पूरा होने जा रहा है इसमें सभी अपना योगदान देकर इस गोर्वधन पर्वत को उठाएं। नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि अद्भुत साधना की प्रतिमूर्ति समिता बहन थी। उनके साथ के अनुभव दिव्य है जिन्हें शब्दो मे बयां नही किये जा सकते हैं। सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ शशि गांधी ने कहा कि सकारात्मक ब्रह्माकुमारी से सीखने को मिलता है। हर व्यक्ति को इससे प्रेरणा ले। मंदसौर प्रेस क्लब् अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने कहा कि समिता बहन व्यक्ति नही बल्कि मिशन थी, मंदसौर को राजयोग से जोड़ने में समिता बहन का अतुलनीय योगदान है इसी के कारण विद्युत मंडल के छोटे से भवन से लेकर आत्म कल्याण भवन और आज सद्भावना सरोवर का निर्माण होने जा रहा है। उनकेव्यक्तित्व से प्रेरणा मिलती है कि ईमानदारी से किया गया प्रयास विफल नही जाता। युवक कॉंग्रेस नेता सोमिल नाहटा ने कहा कि अद्यात्मिक चेतना को उठाने में सबसे पहला नाम समिता बहन का आता है उनमें सबके उत्थान का भाव था। सबको अपना बनाने की अदभुत कला उनमे थी। जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल राठौर ने कहा की केंद्र के निर्माण के साथ समिता बहन का संकल्प पूरा होने जा रहा है। साधना की महिमा अद्भुत है इसी के सहारे आज भारत विश्व गुरु बन रहा है। समिता बहन की संकल्प साधना ही थी कि आज प्रदेश का सबसे बड़ा अद्यात्मिक केंद्र आकार ले रहा है। वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने कहा कि समिता बहन केवल महिला नही बल्कि सभी को अध्यात्म से जोडने का माध्यम बनी। इंजीनियर अनिल जैन ने कहा कि 28 वर्ष पहले समिता बहन का सानिध्य मिला। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि अद्भुत ऊर्जा मिलती थी। उनका सपना बड़े भवन के रूप में पूरा होने जा रहा है। स्वागत भाषण आत्म कल्याण भवन की संचालिका बीके उषा दीदी ने देते हुए आयोजन कि रूपरेखा प्रस्तूत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीके श्यामा दीदी ने कहा कि सामान्यत: शरीर छूटने के बाद भूल जाते हैं लेकिन दिवंगत समिता बहन ऐसी शख्सियत थी जिनका शरीर छूटने के बाद याद और बढ़ गई। पल-पल उनके द्वारा की गई सेवाएं याद आती है। बीके कृष्णा बहन सीतामऊने कहा कि समिता दीदी का साथ कभी भूल नही सकते, सेवाओं में शक्ति और हिम्मत देने का काम दिवंगत दीदी ने किया। बीके सविता बहन जावरा ने कहा कि महान आत्मा कभी जाती नही बल्कि सूक्ष्म में सदैव विद्यमान रहती है। दीदी के जीवन की विशेषताए इतनी हैं कि हर पल याद करे तो भी खत्म नही होगी।

शनि जयंती पर विशाल भंडारा 6 को

नारायणगढ़, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। कलयुग के न्यायाधीश शनिदेव महाराज की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विशाल भंडारा महाप्रसादी का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त जानकारी देव मंडल एवं सुंदरकांड समिति के अध्यक्ष अरविंद पाटीदार 'एडवोकेट' द्वारा देते हुए बताया गया है कि आगामी शनि जयंती दिनांक 6 जून 2024, गुरुवार, अमावस्या को मनाया जाना है। इस अवसर पर शनि जन्मोत्सव समिति एवं नगरवासियों के तत्वाधान में आयोजित भव्य धार्मिक आयोजन के अंतर्गत थाना बालाजी परिसर, मनासा रोड़ में विराजित शनिदेव मंदिर पर महाअभिषेक, श्रंगार महायज्ञ एवं महाप्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। महाअभिषेक, श्रंगार महायज्ञ प्रात: 7:00 बजे से शनि मंदिर परिसर पर एवं विशाल भंडारा महाप्रसादी का आयोजन दोपहर 3 बजे से समीपस्थ स्थानीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया जा रहा है। देवमंडल एवं सुंदरकांड समिति के समस्त सदस्यों ने नगर एवं आसपास क्षेत्र के समस्त धर्म प्रेमी बंधुओं से अपील की है कि उक्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक आयोजन को सफल बनावे।

नीमच में आज होने वाली मतगणना की तैयारियां पूर्ण

मतगणना कक्षों में मोबाईल व अन्य इलेक्ट्रानिक्स डिवाईस ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा

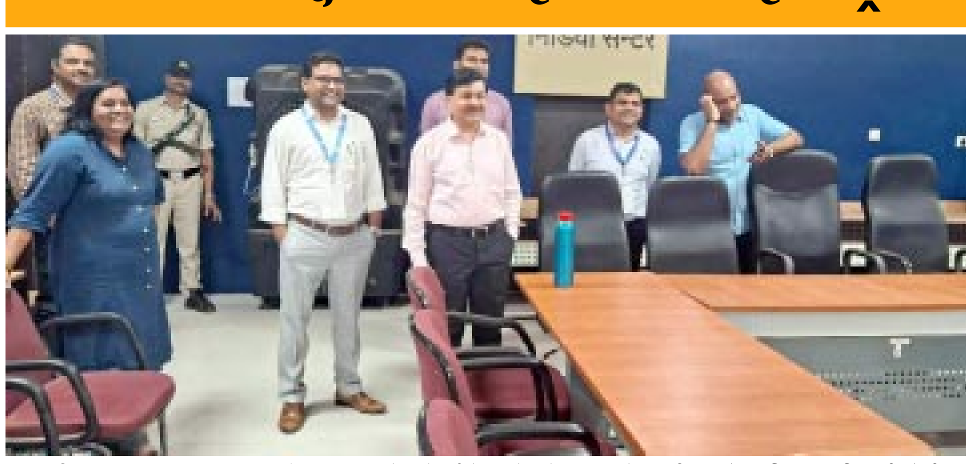

नीमच, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत आज 4 जून को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में प्रात: 8 बजे से होने वाली मतगणना की सभी आवश्यक तैयारियां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के मार्गदर्शन में पूरी कर ली गई है। मतगणना केंद्र पर स्थापित स्ट्रांग रूम की थ्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। मतगणना के दिन लगभग 350 से अधिक सुरक्षा जवान तैनात रहेगे।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव साहू ने बताया कि मतगणना स्थल पर मतगणनाकर्मियों व अभिकर्ताओं के मोबाईल रखने के लिए फेसिलिटेशन सेंटर बनाया गया है। जो कॉलेज के पीछे वाले प्रवेश व्दार के दाई ओर है। मतगणना स्थल पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा कक्ष भी स्थापित किया गया है। जहां पर्याप्त संख्या में चिकित्सकगण टीम मय एम्बुवलेंस के सुविधा के साथ उपलब्ध रहेगी। मीडियाकर्मियों के लिए मीडिया सेंटर बनाया गया है। मीडिया सेंटर में पर्याप्त संख्या में टीव्हीए स्क्रीन मय केबल कनेक्शन इंटरनेट एवं वाईफाई सुविधा के साथ फोटोकापी मशीन भी स्थांपित की गई है। मीडिया कर्मियों को मतगणना कक्षों में छोटे-छोट समूह में भ्रमण करवाने के लिए तीन अलग-अलग स्कटिंग आफिसर नियुक्त् किए है। मीडिया कर्मियों के मोबाईल मीडिया सेंटर पर रखने की व्यवस्था भी की गई है। मतगणना कक्षों में किसी को भी मोबाईल या अन्य कोई भी इलेक्ट्रानिक्स डिवाइस के साथ प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मतगणना स्थल पर कॉलेज के पीछे वाले ग्राउण्ड में गणना अभिकर्ताओं, गणनाकर्मियों, पत्रकारगणों और मीडियाकर्मियों के वाहन की पार्किंग रहेगी और पीछे वाले व्दार से ही प्रवेश की व्यवस्थां रहेगी। मतगणना प्रारंभ होने के दो घण्टे पूर्व उक्ति सभी को मतगणना स्थल पर उपस्थित होना है। सबसे पहले ईव्हीएम से मतगणना प्रांरभ होगी और राउण्डवार परिणाम की उद्घोषणा की जाएगी। मीडिया सेंटर में राउण्डवार मतगणना परिणाम स्क्री न पर प्रदर्शित करने की व्यवस्था भी की गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया ने कहा कि मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में 125 से अधिक सुरक्षा जवान तैनात है। मतगणना दिवस पर मतगणना केंद्र पर 350 सुरक्षा जवान तैनात रहेगे। शहर में भी सुरक्षा के माकुल इंतजाम रहेगे। उन्होने कहा कि मतगणना के दिन सिंगोली एवं मनासा की तरफ से आने जाने वाले वाहनों का रूट डायवर्ट किया जावेगा। कॉलेज के सामने मेन रोड़ पर एक लेन से आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

मोबाईल रहेगें प्रतिबंधित–मीडिया कर्मियों से अपेक्षा की गई है, कि वे मतगणना स्थल पर स्थापित मीडिया कक्ष में ही उपस्थित रहे। फोटो ग्राफर वीडियो ग्राफर बारी-बारी से गणना कक्ष में लगे हुए, बेरिकेट्स के बाहर से फोटो कव्हरेज कर सकेगें। लेकिन किसी भी कक्ष में सामने एक साथ एकत्रित न. हो साथ ही वीडियोग्राफर किसी भी गणना कक्ष की लगातार शूटिंग न करें। सिर्फ अपना फुटेज लेकर हट जाए। मीडिया कक्ष में चक्रवार मतगणना की जानकारी स्क्री न पर प्रदर्शित की जाएगी। मीडिया कर्मियों से यह अपेक्षा है, कि मतगणना स्थल पर अनावश्यक भ्रमण नहीं करें। कलेक्टर श्री जैन ने बताया कि गणना स्थल पर मोबाईल फोन नहीं ले जाया जा सकेगा। मतगणना अभिकर्ता, मतगणना कर्मी अपने मोबाईल मतगणना स्थल पर नहीं लाए।

गणना टेबल लगेगी कुल 44– विधानसभा क्षेत्र मनासा व जावद के मतों की गिनती के लिए 14-14 टेबले एवं नीमच क्षेत्र के लिए 16 टेबले मतगणना कार्य में लगेगी। प्रत्येक गणनाकक्ष में एक-एक सहायक रिटर्निंग आफीसर भी तैनात किये गये है। इसके अलावा प्रत्येक गणना टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक तथा एक माईक्रो आब्जर्वर भी तैनात रहेगे। गणना में लगे, सभी कर्मचारियों को मतगणना स्थल पर प्रात:6 बजे उपस्थित होना होगा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	33	2280	2413
उडद	3	7301	7301
सोयाबीन	3500	4250	4740
गैहु	5500	2381	3100
चना	496	5401	6620
मसुर	207	5500	6199
धनिया	160	5200	7400
लहसुन	14100	7000	19000
मैथी	1300	4500	6200
अलसी	1219	5700	6200
सरसो	780	5100	5490
तारामीरा	14	4774	4840
इसबगोल	156	10000	13839
प्याज	2020	600	1700
कलोंजी	444	13700	19800
डॉलर	62	8000	10263
तिल्ली	150	8901	12500
मटरसुखी	12	1994	5601
असालीया	112	8800	10208

एक्जिट पोल का असर

शेयर मार्केट में तूफानी तेजी, सेंसेक्स 76,738 और निफ्टी 23,338 के रिकॉर्ड हाई पर

मुंबई, 3 जून। चुनाव नतीजों से एक दिन पहले शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2777 पॉइंट की तेजी के साथ 76,738 के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने भी 808 पॉइंट की तेजी के साथ 23,338 का ऑल टाइम हाई बनाया।

हालांकि, बाद में बाजार अपनी ऊपरी स्तरों से थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 2,507 पॉइंट के तेजी के साथ 76,468 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 733 पॉइंट चढ़कर 23,263 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट रही।

निवेशकों की वेल्थ लगभग 12 लाख करोड़ बढ़ी–शेयर बाजार में आई इस तेजी से कारोबार के दौरान निवेशकों की वेल्थ लगभग 12 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। इइए का मार्केट कैप शुक्रवार को 4,12,12,881 करोड़ रुपए था जो आज यानी, 3 जून को कारोबार के दौरान बढ़कर 4,23,71,233 करोड़ रुपए पहुंच गया।

पुराने तालाबों एवं जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार करें-कलेक्टर

साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जाए। सभी पुराने तालाबों से गाद निकालने का काम करें। नालों की साफ-सफाई का कार्य शुरू किया जाए। पौधारोपण के लिए भूमि चिह्नित करें एवं गड्डो का निर्माण करें। जिससे बारिश के पश्चात पौधारोपण किया जा सके। पीएचई विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जल गुणवत्ता की जांच करें। 23 जून को पल्स पोलियों अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक बच्चों को पल्स पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी। 24 एवं 25 जून को घर-घर जाकर बच्चों की दवाई पिलाई जाएगी। इसके साथ 25 जून से 27 जून तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इसमें घर घर जाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

मंदसौर जिला माउंटेनियरिंग संगठन के नेतृत्व में विश्व साइकिल दिवस मनाया

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला माउंटेनियरिंग संगठन के नेतृत्व में आज विश्व साइकिल दिवस मनाया गया यह दिवस मंदसौर शहर के एनसीसी एवं स्काउट गाइड और राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं ने इस रैली में भाग लिया साइकिल रैली को हरि झंडी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला सत्र न्यायाधीश रघुवीर सिंह चुंडावत, विशेष अतिथि जिला माउंटेनियरिंग संगठन के संरक्षक एवं लॉ कॉलेज ट्रस्टी डॉ क्षितिज पुरोहित, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार एवं जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष बृजेश जोशी, जिला माउंटेनिंग एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष विजय सिंह पुरावत, कार्यकारी उपाध्यक्ष विश्व मोहन अग्रवाल, सचिन जैन, लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल क्रमांक 2 विद्यालय प्राचार्य धर्मपाल सिंह देवड़ा के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया रैली गांधी चौराहा से प्रारंभ होकर महाराणा प्रताप बस स्टैंड नयापुरा रोड शुक्ला चौक घंटाघर भारत माता चौराहा होते हुए गांधी चौराहे पहुंची जहां पर रैली का समापन हुआ रैली के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष विजय सिंह पुरावत ने बताया कि हर साल 3 जून को दुनियाभर में विश्व साइकिल दिवस मनाया जाता है। विश्व साइकिल दिवस मनाने के पीछे कई उद्देश्य और फायदे हैं। साइकिल हमारे पर्यावरण के लिए फायदेमंद हैं तो वहीं साइकिल चलाना सेहत के लिए भी लाभकारी है। ऐसे में साइकिल का हमारे जीवन में अहम स्थान है। अगर एक वाहन के तौर पर देखें तो भारतीय परिपेक्ष्य में कई लोग स्कूल, कॉलेज, से लेकर कार्यस्थल तक जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते हैं। यह पर्यावरण के लिए बहुत अच्छा साधन है। डीजल-पेट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही शहर का प्रदूषण स्तर भी कम होता है। वहीं स्वस्थ रखने के लिए भी साइकिल का उपयोग किया जाता है। साइकिल चलाने से वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती, अच्छा व्यायाम आदि हो जाता है। इसी तरह के कई फायदों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व साइकिल दिवस मनाया गया है। साइकिल दिवस को मनाने की शुरुआत साल 2018 में हुई। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व साइकिल दिवस मनाने का फैसला लिया। इसके लिए 3 जून का दिन तय किया गया। तब से अब तक भारत समेत कई देश विश्व साइकिल दिवस हर साल 3 जून को मनाते हैं। उक्त जानकारी जिला माउंटेन रिंग संगठन के सचिव जितेंद्र कनौजिया ने दी।

भारतीय सेना में 22 वर्ष देश सेवा पूर्ण कर मंदसौर लौटे सैनिक का हुआ स्वागत

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। 3 जून सोमवार को देशभक्ति राष्ट्र सेवा को समर्पित मंदसौर जिला के ग्राम मुंदेडी के जांबाज सैनिक हवलदार भगत सिंह परिहार भारतीय सेना से 22 वर्ष देश सेवा पूर्ण कर सकुशल सेवानिवृत होकर मंदसौर में पधारे। जहां अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर द्वारा सेवानिवृत्त सैनिक भगत सिंह का माला ,श्रीफल व संगठन की कैप पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मंदसौर के सभी समाजसेवी संगठनों ने भी सैनिक के सम्मान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सैनिक स्वागत सम्मान में नगर के विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा व माला पहनाकर सैनिक का स्वागत किया। सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला ने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि मंदसौर के सभी सामाजिक संगठन और पूरा मंदसौर जिला आज सैनिक के सम्मान में पलक पांवडे बिछाए उनका स्वागत सम्मान करता है यह पूरे शहर के लिए सम्मान की बात है। वहीं पूर्व सैनिक संगठन के जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालड़ी ने कहा कि बाकी नौकरियां नौकरियां होती है लेकिन भारतीय सेना की नौकरी, नौकरी नहीं देश सेवा मानी जाती है। भारतीय सैनिक पैसे के लिए नहीं अपितु देश सेवा, राष्ट्रभक्ति को समर्पित होकर भारतीय सीमाओं की रक्षा करते हैं। हर मौसम में दुश्मनों से लोहा लेते रहते हैं देश सेवा को समर्पित रहते है। स्वागत सम्मान रैली मंदसौर रेलवे स्टेशन से शहीद उधमसिंह चौराहा, बीपीएल चौराहा, से नई आबादी मुख्य मार्ग होते हुए रानी लक्ष्मीबाई चौराहा पहुंची। जहां संगठन के मार्गदर्शक श्रवण कुमार त्रिपाठी एवं परिवार द्वारा सैनिक का स्वागत सम्मान किया गया तत्पश्चात सैनिक रानी लक्ष्मीबाई चौराहा से अपने ग्राम मुंदडी में पहुंचे जहां ग्रामवासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला, अ.भा.पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालड़ी, मागदर्शक मोहनलाल, मीडिया प्रभारी नरेंद्र खटवड, जितेंद्र माली, प्रहलाद राठौर ,आर.एन. गुर्जर, मुकेश सोलंकी, राजेंद्र सिंह शक्तावत, दीपक हंसवाल, विकास सिंह सोलंकी, भारतसिंह, अंतिम कुमार भाटिया सहित अन्य सैनिक पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्वाचन अवधि के दौरान प्रचार-प्रसार जोर-जोर से होने, सार्वजनिक सभाओं, ध्वनि विस्तार यंत्रों, आग्रेय शस्त्रों के सार्वजनिक प्रदर्शन तथा उपयोग एवं लोक शांति कायम रखने, आमजन की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए। जारी आदेशानुसार मतगणना स्थल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में बिना सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति के प्रवेश वर्जित रहेगा तथा मतगणना स्थल में कोई भी व्यक्ति पान, बीड़ी, गुटका, तंबाकू, सिगरेट एवं ई-सिगरेट का उपयोग नहीं कर सकेगा। मतगणना स्थल पर आयोग द्वारा अनुमति प्राप्त व्यक्ति ही मोबाइल का उपयोग कर सकेगा, शेष सभी के लिए मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल के आसपास आयुध एवं अन्य प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, हथियार धारण करना या लेकर चलना प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल पर ज्वलनशील सामग्री लेकर प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना समाप्ति के उपरांत कोई भी व्यक्ति, समूह, संगठन, संस्था, अभ्यर्थी इत्यादि बिना सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमति के जुलूस आदि का आयोजन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर नहीं कर सकेंगे। मतगणना स्थल के आसपास किसी भी प्रकार की नारेबाजी एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, विभिन्न समूहों के बीच वेमनस्यता उत्पन्न करने वाले नारे लगाने या ऐसी गतिविधियां पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी। यह आदेश सर्वसाधारण को संबंधित है, इसकी तामिल प्रत्येक व्यक्ति पर सम्यकरूपेण करना और उसकी सुनवाई संभव नहीं है। अत: दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(2) के अंतर्गत यह आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 188 के अंतर्गत दंडनीय अपराधी का दोषी होकर उसे विधि के प्रावधानों के तहत अभियोजित किया जाएगा।

सहायक प्राध्यापक परीक्षा 9 जून को, 9 शहरों में बनेंगे केंद्र

इंदौर, 3 जून। लंबे इंतजार के बाद मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) अगले सप्ताह सहायक प्राध्यापक और ग्रंथपाल व क्रीडा अधिकारी भर्ती परीक्षा-2022 आयोजित करने जा रहा है। 9 जून को होने वाली यह परीक्षा आठ विषयों में सहायक प्राध्यापकों की भर्ती के लिए होगी।

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद वंचित अतिथि विद्वानों को भी परीक्षा में सम्मिलित करने की अनुमति देने के साथ ही आयु सीमा में छूट और अनुभव को प्राथमिकता दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक 826 सहायक प्राध्यापक, 129 खेल अधिकारी और 200 ग्रंथपाल के पदों के लिए परीक्षा आयोजित हो रही है। उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड व परीक्षा केंद्र आवंटित किए जा रहे है। 2022 में सहायक प्राध्यापक और क्रीडा अधिकारी भर्ती परीक्षा-2022 का विज्ञापन निकाला गया था जिसके अनुसार आठ महीने बाद परीक्षा होना थी, लेकिन पीएससी ने प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया। भर्ती परीक्षा में सरकारी कालेजों में पढ़ाने वाले अतिथि विद्वानों का अनुभव, अनुभव के अंक और आयु सीमा का लाभ दिया जाना था लेकिन आयोग ने प्रक्रिया में यह नहीं किया। इससे कई उम्मीदवारों को सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में छूट का लाभ नहीं मिला। आयोग के इस कदम के विरुद्ध उम्मीदवारों ने उच्च न्यायालय की शरण ली। न्यायालय ने उम्मीदवारों के पक्ष को सही माना। इसके बाद 3 मार्च को होने वाली परीक्षा को आयोग ने आगे बढ़ाते हुए दोबारा आवेदन बुलवाए। अब आयोग ने 9 जून को परीक्षा आयोजित की है। सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा आठ विषयों के 826 पदों के लिए रखी गई है। इसमें बाटनी (126), कामर्स (124), अंग्रेजी (200), हिन्दी (116), इतिहास (77), गृह विज्ञान (42), गणित (124), संस्कृत (17) शामिल हैं। आयोग के ओएसडी रवींद्र पंचभाई ने कहा कि 31 मई से उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड जारी करना शुरू कर दिए है। करीब एक लाख से अधिक उम्मीदवार है। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, रीवा, सागर, शहडोल, उज्जैन में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पहला पेपर सुबह 10 से 11 बजे, दूसरा पेपर दोपहर 1 से 4 बजे तक होगा।

हर परिवार कम से कम 10 पौधों का रोपण अवश्य करें-जैन

कलेक्टर द्वारा बेस्ट एम्पलॉई ऑफ दी मंथ पुरस्कार वितरीत

नीमच, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जल सरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी आगे आय हर परिवार आगामी इस वर्षा काल में कम से कम दस पौधे अवश्यप लगाय। यह बात कलेक्टगर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को कलेक्टोवरेट में बेस्ट एम्लाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। कलेक्टर श्री दिनेश जैन द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट एम्लाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार योजना के तहत माह मई-2024 में उत्कृष्टकार्य करने वाले विभिन्न विभागों के 28 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई आफ दी मंथ पुरस्कार का वितरण किया गया।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, की उपस्थिति में कलेक्टोरेट में आयोजित कार्यक्रम में 28 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार वितरण समारोह में कलेक्टर ने श्रीमती अर्चना राठोड जिला कार्यक्रम प्रबन्धथक स्वाास्य्टर विभाग नीमच ,श्री पवन गेहलोत विकासखण्ड कार्यक्रम सामुदायिक स्वा स्य् प केन्द्रा मनासा, श्री दिनेश धाकड प्राथमिक स्वातस्य् ह केन्द्रा नीमच,श्री विजयकुमार पंथी सहायक ग्रेड-3,श्री निर्मल कुमार राठौर सकुंल सह.समन्वशयक नीमच, श्री रामेश्वार नायक सह समन्वियक, मुकेश कुमार बामनिया ब्लासक सह. समन्व्यक मनासा, श्री तुलसीगिरी गौस्वावमी ब्लामक सह. समन्व यक जावद,सुश्री नीतु नागदा सहायक ग्रेड-3 जिला पंचायत नीमच,श्री मनोहरलाल शर्मा सचिव पिपल्या.रावजी, श्री सुरेन्द्र शर्मा सहा. सचिव पिपलियारावजी, श्री माधवलाल राठौर सचिव पंचायत चचौर,श्री राजेन्द्रु मण्डावरिया सहा. सचिव चचौर,श्री नरेन्द्र नागदा सचिव तलाउ, श्री दीपक राठौर सहा.सचिव तलाउ, श्री घनश्याम जावसवाल सचिव दमोदरपुरा,श्री कैलाश बंजारा सचिव तुम्बाव, श्री किशनलाल बडेरा सहा सचिव तुम्बाल,श्री कमलसिंह तवंर सचिव बोरखेडी पानेडी ,श्रीमती सपना नागदा सहा. सचिव बोरखेडी पानेडी ,श्री गिरीराज नेहरा सचिव जागोली, श्री प्रहलाद पाटीदार सचिव केलुखेड़ा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आजना,मयूरी जोक, सीएमओ नीमच श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, एसडीएम डॉ.ममता खेडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दशनाम गोस्वामी समाज की बैठक सम्पन्न

दशनाम गोस्वामी समाज सामूहिक विवाह समिति मालवा मेवाड़ की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को समरा माता मंदिर संजीत रोड सिंदपन में नारायणगढ़ के महंत श्री मुकेश गिरी गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में विवाह समिति के कोषाध्यक्ष शंभूपुरी कितुखेड़ी द्वारा विगत दिनों भूखी में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन के पश्चात् आय-व्यय संबंधी विवरण प्रस्तुत किया गया। जिसके अंतर्गत कुल आय 7 लाख 18 हजार 54 रू. बताई साथ ही रूपावली सम्मेलन की बचत 1 लाख 69 हजार 590 रू. की होकर कुल आय 8 लाख 87 हजार 644 रू. की बताई गई। सम्मेलन में कुल व्यय 7 लाख 47 हजार 67 रूपये हुई। कुल बचत 1 लाख 40 हजार 577 रू. की बताई गई। साथ ही विवाह समिति में उल्लेखनीय कार्य किया गया। विवाह सम्मेलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समिति अध्यक्ष मांगुगिरी एवं कोषाध्यक्ष शंभुपुरी (किंतुखेडी) की सभी ने प्रशंसा कर उनका सम्मान किया। साथ ही उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले समिति दशनाम गोस्वामी समाज के जिलाध्यक्ष भेरूपुरीजी (ढाबला), संरक्षक रामेश्वरपुरी (रूपावली), शैलेन्द्रगिरी (मंदसौर), नारायणगिरी (भूखी), सम्मेलन अध्यक्ष मांगुपुरी (कचनारा), उपाध्यक्ष महावीरगिरी (सीतामऊबड़ा मठ), उपाध्यक्ष गोविन्दगिरी (भूखी), सह संयोजक मांगुपुरी (आक्या), सचिव डॉ. प्रकाशपुरी (बरखेड़ाकला), सहसचिव गोपालगिरी (भूखी), सह कोषाध्यक्ष रामपुरी (भुखी), जिला संयोजक नीमच राजेशगिरी (जालिनेर), जिला युवाध्यक्ष तेजपुरी (आक्या उमाहेडा), जिला युवाध्यक्ष पंजीयनकर्ता अशोकगिरी (सेजपुरिया), मीडिया प्रभारी कमल भारती, छात्र-छात्राओं के पंजीयनकर्ता महेश गिरी (कुचड़ौद) का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। उक्त जानकारी शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी ने दी।

जिला वक्फ कमेटी की बैठक कल

मंदसौर, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला वक्फ कमेटी मंदसौर के जिलाध्यक्ष जनाब अमजद पठान (सुवासरा) ने बताया कि दिनांक 5 जून 2024, बुधवार को शाम 5 बजे हज़रत नाहर सैयद र. अ. की दरगाह पर वक्फ कमेटी जिला मंदसौर की एक अहम बैठक रखी गई है। वक्फ कमेटी मंदसौर के जिला उपाध्यक्ष शाकिर हुसैन गढ़वी ने द्वारा वक्फ कमेटी के सभी पदाधिकारीगण व सदस्यगण को सूचित करते हुए निवेदन किया है कि समय पर उपस्थित रहकर वक्फ से सरोकार रखने वाली आगामी कार्ययोजना में सहभागी बनें।

पुलिस कप्तान ने मतगणना केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

नीमच, 03 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने सोमवार की शाम को लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत नीमच में स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर का निरीक्षण कर, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी ने अभ्यर्थियों, मीडिया कर्मियों, मतगणनाकर्मियों के मतगणना स्थल पर प्रवेश की व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होने निर्देश दिये कि कोई भी बगैर परिचय पत्र के गणना स्थल पर प्रवेश ना कर पाए। मीडियाकर्मियों को मीडिया सेन्टर तक मोबाईल ले जाने की अनुमति रहेगी। एसपी ने मीडियाकर्मियों, अभिकर्ताओं मतगणनाकर्मियों के लिए अलग-अलग प्रवेश की व्यवस्था ,प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच की व्यवस्था का मौके पर निरीक्षण कर संबधितों को आवश्क निर्देश भी दिये ।इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसौदिया, एसडीओपी श्रीमती यजस्वी शिन्दें, रक्षित निरीक्षक श्री विक्रम सिह भी उपस्थित थे।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 38/2024 दिनांक 03.06.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा राहुल पिता भंवरलाल धनगर, निवासी-ग्राम-बड़वन, तहसील व जिला मंदसौर से आवासीय मकान ग्राम बड़वन, पटवारी हल्का नं. 00113, तहसील व जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग ई पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392024 ए 1647604 दिनांक 27.05.2024 से मेरे पक्षकार टम्मा पति राहुल धनगर, निवासी ग्राम बड़वन, तहसील व जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-रामचंद्र का मकान, पश्चिम में-स्वयं का मकान, उत्तर में-रास्ता, दक्षिण में-मायाबाई का मकान, पैमाईश रकबा-900 वर्ग फीट या 83.61 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 39/2024 दिनांक 03.06.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा राजेन्द्र पिता बगदीरामजी निवासी ग्राम काचरिया, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर से आवासीय मकान ग्राम-काचरिया, पटवारी हल्का नं. 00087 तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग ई पंजीकरण क्रमांक एमपी 249412024 ए 1688420 दिनांक 03.06.2024 से मेरे पक्षकार टीना पति राजेन्द्र दर्जी निवासी ग्राम-काचरिया, तहसील सीतामऊ, जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-नाथूरामजी का मकान का रास्ता, पश्चिम में-विष्णुसिंहजी का मकान का रास्ता, उत्तर में-आम रास्ता, दक्षिण में-.कालूसिंह का मकान, पैमाईश रकबा-525वर्ग फीट या 48.77 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 40/2024 दिनांक 03.06.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा कैलाश पिता गणपतलाल जी खटीक, निवासी-ग्राम-पालसोडा, तहसील-जीरन, जिला-नीमच से आवासीय मकान ग्राम-पालसोडा, पटवारी हल्का न. 18. तहसील जीरन, जिला-नीमच उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क. MP279462024 A1659088, दिनांक 28/05/2024 से मेरे पक्षकार कैलाशीबाई पति कैलाश खटीक, निवासी-ग्राम-पालसोडा, तहसील-जीरन, जिला-नीमच के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मन्दसौर में करवाया गया है।

उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है- पूर्व में-आम रास्ता, पश्चिम में-आम रास्ता, उत्तर में-श्यामलाल धनगर का मकान, दक्षिण में-वरदीचंद जी धनगर पैमाईश रकबा 700 वर्ग फीट या 65.05 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोज आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्िया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।

फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in